दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 06:22 ए एम
सूर्यास्तः 05:52 पी एम
तिथिः षष्ठी - पूर्ण रात्रि तक
नक्षत्रः मगशिरा - 11:22 पी एम तक
योगः वरीयान - 02:25 पी एम तक
करणः गर - 05:55 पी एम तक
द्वितीय करणः वणिज - पूर्ण रात्रि तक
पक्षः कृष्ण पक्ष
वारः शनिवार

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition
www.jharkhanddekho.com • वर्ष 02 • अंक 180 • पृष्ठ 8 • दुमका, शनिवार 15 अक्तूबर 2022 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

हिमाचल प्रदेश चुनाव की तारीखों का ऐलान

12 नवंबर को मतदान, 8 दिसंबर को नतीजे

शिमला/एजेंसी।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सिंगल फेज में 12 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। नतीजे 8 दिसंबर को घोषित होंगे। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को चुनाव की तारीखों का ऐलान किया। हिमाचल विधानसभा का कार्यकाल 8 जनवरी 2023 को खत्म हो रहा है।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा कि वोटर नामांकन तक अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वा सकते हैं। इस बार 80 साल से ऊपर उम्र वाले बुजुर्गों और कोरोना पीड़ितों को घर से वोटिंग की सुविधा दी जाएगी। हिमाचल में 80 प्लस उम्र वाले 1.22 लाख बुजुर्ग हैं। इसके अलावा 1184 वोटरों की उम्र 100 साल से ज्यादा है।

हिमाचल प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव के लिए आज यानि शुक्रवार को तारीखों का ऐलान कर दिया गया. चुनाव आयोग की ओर से आज दोपहर तीन बजे नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में तारीखों की घोषणा की गई है. चुनाव आयोग ने जानकारी देते हुए बताया कि हिमाचल प्रदेश में एक ही चरण में मतदान होगा और प्रदेश में 12 नवंबर को वोट डाले जाएंगे. बताते चलें कि दोनों ही राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है और कांग्रेस विपक्ष में है.

हिमाचल चुनाव की अहम तारीख

- आधिकारिक नोटिफिकेशन की तारीख– 17 अक्टूबर
- नामांकन भरने की तारीखः 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक
- नामांकन की जांचः 27 अक्टूबर
- नामांकन वापसीः 29 अक्टूबर
- चुनाव की तारीखः 12 नवंबर
- मतगणनाः 8 दिसंबर

दीपावली के बाद होगा गुजरात विधानसभा चुनाव का ऐलान

नयी दिल्ली/एजेंसी। भारतीय चुनाव आयोग ने आज यानी शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव की घोषणा की. हालांकि इस दौरान आयोग ने गुजरात चुनाव को लेकर कोई ऐलान नहीं किया. आयोग ने कहा है कि गुजरात विधानसभा चुनाव की घोषणा दीपावली के बाद होगा. गौरतलब है कि इसी साल के अंत में गुजरात विधानसभा का चुनाव हो रहे हैं.

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में आगरा के छात्र पर हमला, परिवार ने सरकार से मांगी मदद

नयी दिल्ली/एजेंसी। आगरा के कस्बा किरावली के रहने वाले छात्र शुभम गर्ग (28) पर ऑस्ट्रेलिया में चाकू से जानलेवा हमला किया गया। ऑस्ट्रेलिया में पीएचडी के लिए गए छात्र पर हमला छह अक्तूबर की रात तब किया गया, जब वह एटीएम से रुपये निकालकर अपने रूम पर जा रहा था। हमले में शुभम गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर, पीड़ित परिवार ने मंगलवार को सांसद राजकुमार चाहर से मिलकर मदद की गुहार लगाई है। आगरा के पास कस्बा किरावली के पैठगली निवासी रामनिवास गर्ग का 28 वर्षीय बेटा शुभम गर्ग आईआईटी मद्रास से मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री लेकर आस्ट्रेलिया की राजधानी सिडनी के यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स से मेकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी करने इसी वर्ष एक सितंबर को सिडनी गए थे। छह अक्टूबर को रात दस बजे अपने कमरे पर लौटते समय एक नस्लीय हमले में हमलावर उसके जबड़े, छाती और पेट में 11 बार चाकू मारकर गम्भीर हालत में अधमरा छोड़कर भाग गया था।

पाकिस्तान : अस्पताल की छत पर मिलीं 200 से ज्यादा लाशें

इस्लामाबाद/एजेंसी। पाकिस्तान के मुल्तान शहर में एक अस्पताल की छत से 200 से ज्यादा सड़ी-गली लाशें मिली हैं। सरकार ने निश्तार हॉस्पिटल के शवगृह से जुड़े इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, दर्जनों शव अस्पताल की छत पर बने कमरे में पाए गए। वहीं, सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही खबरों के मुताबिक सैकड़ों शव हॉस्पिटल की छत से बरामद हुए हैं। इनमें से कई के बॉडी पार्ट्स भी गायब हैं। सरकार की ओर से अब तक न तो इन खबरों की पुष्टि की गई है और न ही इनका खंडन किया गया है। अधिकारियों ने अभी तक शवों की सही संख्या भी नहीं बताई है।

बिज़नेस

बीएसई सेंसेक्स
57,919.97+684.64 (1.20%)
निफ्टी
17,185.70+171.35 (1.01%)

ज्ञानवापी मामले में कोर्ट का फैसला

'शिवलिंग' की कार्बन डेटिंग जांच की मांग खारिज

लखनऊ/एजेंसी।

ज्ञानवापी में सर्वे के दौरान सामने आए शिवलिंग की कार्बन डेटिंग जांच की मांग खारिज हो गई है। शुक्रवार को जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने मामले पर सुनवाई की। अदालत ने कार्बन डेटिंग के साथ ही अन्य किसी भी वैज्ञानिक तरीके के परीक्षण की मांग खारिज कर दी है। मामले की अगली सुनवाई 17 अक्तूबर को होगी।

हिंदू पक्ष के पांच में से चार वादियों की तरफ से सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि हमारी कार्बन डेटिंग की मांग को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि शिवलिंग के साथ कोई छेड़छाड़ ना हो, अभी इसकी आवश्यकता नहीं है। जिला जज की अदालत के इस आदेश को हमलोग सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। अभी तारीख की घोषणा नहीं कर सकते लेकिन जल्द ही सुप्रीम कोर्ट में इस आदेश को चैलेंज करेंगे।

इस मामले में वादी पक्ष की चार महिलाओं ने सर्वे में मिले शिवलिंग की कार्बन डेटिंग या किसी अन्य आधुनिक विधि से जांच की मांग की थी।

दोनों पक्ष की बहस सुनने के बाद 12 अक्तूबर को जिला जज डॉ अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने आदेश के लिए 14 अक्तूबर यानि आज की तिथि नियत की थी। 12 अक्तूबर को सुनवाई के दौरान अंजुमन इंतजामिया ने अपना पक्ष रखा फिर वादिनी संख्या 2 से 5 तक के अधिवक्ता विष्णुशंकर जैन ने प्रति उत्तर में हिंदू पक्ष की दलीलें पेश की।

जबकि वादिनी संख्या एक के अधिवक्ता मान बहादुर सिंह ने कोई भी दलील देने से इनकार कर दिया तब अदालत ने आदेश के लिए 14 अक्तूबर की तिथि नियत कर दी।

अंजुमन इंतजामिया की तरफ से क्या दलील

हिमाचलः महारैली में प्रियंका गांधी ने की घोषणा

कांग्रेस की सरकार बनते ही भरे जाएंगे 1 लाख सरकारी पद

शिमला/एजेंसी।

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी का चुनाव अभियान शुक्रवार से शुरू हुआ. इससे पहले कांग्रेस महासिचव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोलन जिले में मां शूलिनी मंदिर में पूजा-अर्चना कर परिवर्तन रैली को संबोधित किया. बता दें कि राज्य में इस साल के अंत में विधनसभा चुनाव होने हैं जिसे लेकर सभी पार्टियां अब वोटरों को रिझाने में जुट गई है.

परिवर्तन महारैली को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा, हिमाचल प्रदेश में जब कांग्रेस की सरकार बनेगी तब पहले मंत्रिमंडल की बैठक में 2 निर्णय

होंगे. पहला, 1 लाख सरकारी पद जो खाली हैं वो भरे जाएंगे. कुल 5 लाख रोजगार मिलेगा जिसमें 1 लाख रोजगार पहले मंत्रिमंडल की बैठक में तय किए जाएंगे. दूसरा, पुरानी पेंशन योजना पर भी उसी मंत्रीमंडल की बैठक में फैसला होगा. प्रदेश के 2 लाख कर्मचारियों को उनका हक मिलेगा.छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस दौरान कहा कि, हिमाचल में अगर कांग्रेस ने कहा है कि 10 दिन में पुरानी पेंशन योजना लागू होगी मतलब होगी. भाजपा आपके जेब से पैसा निकालने का काम करती है जबकि कांग्रेस महिलाओं, गरीबों, किसानों की जेब में पैसा डालने का काम करती है.

राजस्व वसूली में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपायुक्त की अध्यक्षता में विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आंतरिक संसाधन एवं राजस्व संग्रहण संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस दौरान उपायुक्त द्वारा आंतरिक संसाधन को लेकर सरकार को होने वाली राजस्व प्राप्ति की जानकारी ली गई तथा विभागवार सभी कार्यों की समीक्षा की गई तथा सभी संबंधित विभागों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप राजस्व संग्रहण करने का निदेश दिया गया। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि राजस्व वसूली में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी एवं आंतरिक संसाधन से राजस्व संग्रहण को बढ़ाने का निदेश दिया गया। उपायुक्त ने परिवहन विभाग के राजस्व की समीक्षा करते हुए अब तक किया गए राजस्व वसूली की जानकारी ली तथा लक्ष्य के अनुरूप राजस्व संग्रहण करने हेतु निर्देश दिया। नगर परिषद दुमका एवं नगर पंचायत बासुकीनाथ के राजस्व की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त द्वारा संबंधित अधिकारी को लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। उपायुक्त ने खनन विभाग की समीक्षा करते हुए पत्थर एवं अन्य खनिजों से आने वाली रेवेन्यू कलेक्शन की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर योजनाबद्ध तरीके से लक्ष्य के अनुरूप वसूली करने का निदेश दिया। बैठक में उपायुक्त ने एक-एक कर मत्स्य विभाग, वन विभाग, एक्साइज,निबंधन समेत अन्य विभागों से आंतरिक संसाधन की जानकारी लेते हुए प्राप्त आंकड़ों के आधार पर विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप संग्रहण का निर्देश दिया।राजस्व विभाग की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि सभी अंचल अधिकारी पूरी तत्परता के साथ राजस्व संग्रह करने का कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। लक्ष्य निर्धारित कर राजस्व संग्रह कार्य को संपादित किया जाए।बैठक में अपर समाहर्ता, जिला भू अर्जन पदाधिकारी, जिला मत्स्य पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी व अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने दिव्यांग को दिया ट्राई साइकिल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। रानेश्वर प्रखंड के मोहुलबोना व सालतोला में आपकी योजना,आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम के तहत कैंप आयोजित किया गया। सालतोला में विधायक नलिन सोरेन एवं उपायुक्त ने आयोजित कैम्प में हिस्सा लिया।* इस दौरान विधायक व उपायुक्त ने सालतोला आयोजित कैंप में पहुंच कर ग्रामीणों से बात-चीत की एवं उनकी समस्याओं से अवगत हुए। कैंप में ग्रामीणों ने आधार निबंधन,जाबकार्ड,पेंशन आदि के लिए आवेदन दिया। मौके पर वरीय पदाधिकारी सुधीर कुमार सिंह, बीडीओ प्रीतिलता मुर्मू,सीओ अतुल रंजन भगत,बीपीआरओ ,सीडीपीओ आदि के अलावे विभिन्न विभागों के पदाधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

मोहुलबोना में आयोजित कार्यक्रम में उपायुक्त ने दिव्यांग नसरुद्दीन अंसारी को ट्राईसाईकिल दिया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त ने सभी स्टालों का निरीक्षण किया।मौके पर उपस्थित आंगनबाड़ी सेविकाओं को उपायुक्त ने मन लगाकर काम करने को कहा।कैंप में पेंशन के लिए 44, आधार लिंक के लिए 22, केसीसी के लिए 3,पीएमवाईजी के लिए 137, मनरेगा का 171, आईसीडीएस का 81, निर्वाचन का 1 वजाति प्रमाण पत्र के लिए 3 आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए स्टाल में 40 मरीजों का स्वास्थ्य जांच किया गया। दोनों पंचायत में कुल 802 आवेदन प्राप्त हुए।

संक्षिप्त समाचार

दिव्यांग व नाबालिग बच्चे के साथ अनैतिक यौनाचार, आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव में बीते बुधवार को करीब 13 वर्षीय दिव्यांग बच्चे के साथ अप्राकृतिक यौनाचार का मामला सामने आया है। मामले में शुक्रवार को आरोपी लव कुश गोस्वामी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया।

वही पीड़ित नाबालिग बच्चे को मेडिकल जांच के लिए फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। मामले में पीड़ित बच्चे की मां के बयान पर आरोपी लव कुश गोस्वामी के खिलाफ संबंधित थाना में आईपीसी की धारा 377 एवं 4/8 पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है। जानकारी के मुताबिक बीते बुधवार को अपनी मौसी के घर के बाहर खेल रहे पीड़ित बच्चे को आरोपी लव कुश गोस्वामी ने बहला फुसलाकर अपनी मोटरसाइकिल में लेकर चला गया। मौसी के मना करने के बावजूद आरोपी ने पीड़ित बच्चे को अपनी मोटरसाइकिल में बैठाकर ले गया। आरोप के मुताबिक आरोपी का उसी गांव में नया घर बन रहा है। जब काफी देर तक पीड़ित नाबालिग अपने घर नही लौटा तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। देर रात को पीड़ित नाबालिग धीरे धीरे चलता हुआ घर लौटा और काफी डरा हुआ भी था। परिजनों ने जब पीड़ित बच्चे से बातचीत की तो उसने परिजनों को पूरी घटना बतायी। पीड़ित बच्चे ने आरोपी द्वारा अप्राकृतिक यौनाचार किये जाने की बात अपने परिजनों को बताया। दूसरे दिन पीड़ित बच्चे की मां ने अपने पति को सारी बातें बतायी। शुक्रवार को पीड़ित बच्चे की मां ने आरोपी के खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाया। मामले में थाना प्रभारी संजय सुमन ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार किया जा चुका है और बच्चे को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है।

उप विकास आयुक्त ने दिया लाभुकों को स्वीकृति पत्र

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिकारीपाड़ा प्रखंड के झुनकी व शहरपुर पंचायत में आयोजित आपकी योजना,आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त कर्ण सत्यार्थी द्वारा लाभुकों को पेंशन, राशन कार्ड व जॉबकार्ड का स्वीकृति पत्र दिया गया।कार्यक्रम स्थल पर 5 पेंशन ,4 जॉबकार्ड व 5 राशनकार्ड के स्वीकृति पत्र लाभुकों के बीच वितरण किया गया। साथ ही समाज कल्याण विभाग से 2 की गोद भराई व 2 बच्चों को खीर खिलाकर अन्नप्राशन की रश्म पूरी किये। अंचलाधिकारी राजू कमल द्वारा सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत 7 किशोरियों, 2 राशनकार्ड , 2 पेंशन व 2 राशनकार्ड के लाभुकों को स्वीकृति पत्र दिया गया।शहरपुर पंचायत में 8 पेंशन, 6 राशनकार्ड व 9 जॉबकार्ड के लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र वितरण किया गया। मौके पर बीडीओ संतोष कुमार चौधरी, एलईओ , बीइइओ, बीपीओ,बीपीआरओ आदि उपस्थित थे।

छात्रों से समाज मे सेवा भावना से काम करने की अपील

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। मयूराक्षी ग्रामीण महाविद्यालय रानीश्वर मे राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 2 एवं 3 के तत्वाधान मे विशेष शिविर का आयोजन प्राचार्य डॉ अब्दुल रईस खान की अध्यक्षता मे किया गया ।सर्वप्रथम एनएसएस फ्लैग फहराकर एनएसएस लक्ष्य गीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गयी।इस अवसर पर इकाई -2 कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ स्वर्ण कुमार सिंह ने एन एस एस से सम्बंधित विशेष शिविर के आयोजन के महत्व पर जानकारिया प्रदान की गई ।साथ ही गोद लिए गए गाँव मे स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्राकृतिक संसाधनों के संग्राक्षण एवं युवाओ के सतत विकास पर किये जा रहे बिषय की जानकारी विस्तृत रूप से दी।इस अवसर पर इकाई 3 कार्यक्रम पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी डॉ रूपम कुमारी ने बच्चो को सामाजिक कार्य मे बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही गोद लिए गाँव मे पथरा मोचीपारा सातों दिन बढ़ चढ़कर सेवा भावना के साथ गाँव के लोगो की सेवा करने के लिए प्रेरित किया।प्राचार्य ने अपने अध्यक्षीय भाषण मे राष्ट्रीय सेवा योजना के बारे मे विस्तृत रूप से बताते हुए छात्रों से समाज मे सेवा भावना से काम करने की अपील की उन्होंने स्वयंसेवको को 24 घंटे समाज सेवा करने के लिए तैयार रहने को कहा।इसके साथ ही अंत मे इकाई 2 एवं 3 की ओर स्वयंसेवको का निबंधन किया गया। इस अवसर पर निबंधित स्वयंसेवक स्वयंसेविका उपस्थित थे।

सीडब्ल्यूसी ने थैलेसीमिया ग्रसित बालक के मदद को हाथ बढ़ाया

बालक के इलाज के लिए प्रतिमाह 4000 रुपये देने की करेगी अनुसंशा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। बाल कल्याण समिति ने थैलेसीमिया नामक बीमारी से ग्रसित बालक के मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। समिति के पहल पर शुक्रवार को सामाजिक कार्यकर्ता एहतेशाम अहमद ने रामगढ़ प्रखण्ड के ढाई वर्षीय थैलेसीमिया पीड़ित पहाड़िया बालक को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के बेंच ऑफ मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया। चेयरपर्सन अमरेन्द्र कुमार, सदस्य रंजन कुमार सिन्हा, डा राज कुमार उपाध्याय, कुमारी विजय लक्ष्मी और नूतन बाला ने बालक के माता एवं पिता का बयान दर्ज किया और बालक को 'लाईलाज बीमारी से ग्रसित' के श्रेणी में दर्ज करते हुए इस मामले की संनवायी की। बालक के पिता ने समिति को दिये बयान में बताया कि उन्हें एक चार साल की बेटी और ढाई साल का बेटा है। बेटा जब ढाई माह का था तब वह बीमार पड़ गया। दुमका में उसका इलाज के दौरान शरीर में रक्त की कमी पायी गयी। उसे रक्त चढ़ाया गया और कोलकाता से उसका जांच करवाया गया तो पता चला कि वह थैलेसीमिया से ग्रसित है। इसके बाद से बालक को 15 दिन से 30 दिनों के अंतराल पर रक्त चढ़ाना पड़ता है क्योंकि इस रोग में मरीज के शरीर में नया रक्त बनता ही नहीं है। समय-समय पर वह खुद बेटे के लिए रक्तदान करता है और कई बार स्वैच्छिक रक्तदान के तहत बेटे को रक्त उपलब्ध करवाया जाता है। वह खेती-बाड़ी और मजदूरी करता है। उसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। इसलिए वह चाहता है कि उसके बेटे को समाज कल्याण विभाग के स्पान्सरशिप स्कीम से जोड़कर उसका लाभ दिया जाये ताकि बालक की समुचित चिकित्सा हो सके। समिति ने बालक के पिता को 75000 रुपये से कम का वार्षिक आय प्रमाण पत्र, स्थनीय निवासी प्रमाण पत्र और माता, पिता व बालक का आधार कार्ड समिति के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है ताकि बालक को स्पान्सरशिप स्कीम से जोड़ने की अनुसंशा की जा सके। चेयरपर्सन अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि अर्हताओं को पूरा करने पर सीडब्ल्यूसी स्पान्सरशिप स्कीम के तहत बालक/बालिका को स्वास्थ्य/पोषण/शिक्षा के लिए तीन वर्ष तक या 18 वर्ष की आयु पूरी होने तक 4000/-रुपये मासिक देने की अनुसंशा करती है जिसके आधार पर जिला स्तरीय कमिटि के द्वारा बालक को उसके अकाउंट में यह यह राशि प्रदान की जाती है।

खाद्य कारोबारियों को फोसटेक ट्रेनिंग अनिवार्य

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार एवं भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के निदेश के आलोक में अभिहित अधिकारी-सह-अनुमंडल पदाधिकारी, दुमका के निदेशानुसार अमित कुमार राम, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी, दुमका की अध्यक्षता में दुमका स्थित विभिन्न होटलों/रेस्टुरेन्टों/ होलसेलर/ डिस्ट्रीब्यूटर/रिटेल शॉप के मालिकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित खाद्य कारोबारियों को FSSAI द्वारा समय-समय दिये जा रहे दिशा-निर्देशों के बारे में बताया गया। किसी भी प्रकार के खाद्य सामग्री के बिक्री करने, होटल/ रेस्टुरेन्टों द्वारा दिये जाने वाले cash receipts/invoices/cash memo/bills etc. पर अपने प्रतिष्ठान का 14 digit FSSAI License/Registration number अंकित करना अनिवार्य किया गया है। सभी खाद्य कारोबारियों को फोसटेक ट्रेनिंग अनिवार्य किया गया है। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा कहा गया की पैकेज्ड खाद्य सामग्री को बिना उचित पैकेजिंग एवं लेबलिंग के नहीं बिक्री करें। सभी खाद्य कारोबारियों को अपने प्रतिष्ठान में डस्टबीन रखना सुनिश्चित करें। साथ ही एनुवल ऑडिट एवं एनुवल रिर्टन दाखिल करना, खाद्य अनुज्ञप्ति/पंजीकरण के एक्सपायरी तिथि के 180 पूर्व से रिन्यूवल करना, बिना मेन्युफेक्चरिंग व एक्सपायरी तिथि के मिठाईयों, ब्रेड एवं अन्य खाद्य सामग्री का बिक्री नहीं करना, ऋ्रअक छ्रीलरी ल्लङ्क. वाले फूड कलर का ही इस्तेमाल करना सुनिश्चित किया जाए। अखबारी पेपर व कोई प्रिंटेड पेपर का इस्तेमाल खाद्य सामग्री को रख कर बेचने एवं ढकनें के लिए नहीं करना इत्यादि की जानकारी दी गई। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि ऋ्रअक द्वारा दिये गए दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने पर संबंधित खाद्य कारोबारियों पर विधिसम्मत कार्रवाई की जायेगी।

मौके पर मुश्ताक अली, अध्यक्ष, मनोज कुमार घोष, सचिव, चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, दुमका, होटल रोयल मेजेस्टीक, ग्रीन होटल, मोमोमियां, एम एस कैफे, 7 हेवेन, मोनिका स्वीट्स, नारायणी स्वीट्स/जलपान, इत्यादि के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

आपकी योजना,आपकी सरकार,आपके द्वार कार्यक्रम में उमड़ी भीड़

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। राज्य के सभी पंचायतों तक सरकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिये पंचायत स्तर पर आपकी योजना,आपकी सरकार,आपके द्वार अभियान के तहत रामगढ़ प्रखंड के पहाड़पुर पंचायत तथा छोटी रणबहियार पंचायत में विभिन्न योजनाओं के स्टाल लगाए गए। इस दौरान दोंनो पंचायतों में राजस्व,खाद्य एवं आपूर्ति,भूमि सुधार,श्रम,महिला एवं बाल विकास,मनरेगा,प्रधानमंत्री आवास योजना,कृषि,पशुपालन एवं सहकारिता,पेयजल एवं स्वच्छता,स्वास्थ्य आदि विभागों के स्टॉल लगाया गया। पहाड़पुर में ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों से सम्बंधित 316 आवेदन दिये।किसान क्रेडिट कार्ड के 22,नये चापाकल के एक,15वें वित्त आयोग के 3,ई श्रम के 06,श्रम समाधान पोर्टल पर पंजीयन के लिये 17,मनरेगा कार्य आवंटन के लिये 01,मनरेगा जॉब कार्ड के लिये 01,मुख्यमंत्री पशुधन योजना के लिये 25,मनरेगा में नई योजना की स्वीकृति के लिये 13,फूलो झानो आशीर्वाद योजना के लिये 01,सहकारिता विभाग के लिये 01,पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में 03,भूमि सुधार एवं राजस्व में 41,महिला एवं बाल कल्याण में 08,राशन कार्ड के लिए 01,सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के लिये 43,विधवा सम्मान पेंशन के लिये 29,दिव्यांग पेंशन के 09,तथा सर्वजन पेंशन योजना के लिये 87 आवेदन प्राप्त हुए। जबकि छोटी रणबहियार पंचायत में विभिन्न विभागों से कुल 417 आवेदन प्राप्त हुए। आपकी योजना, आपकी सरकार ,आपके द्वार कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए जिला प्रोग्राम पदाधिकारी अरुण कुमार द्विवेदी तथा जिला परिषद उपाध्यक्ष सुधीर मंडल ने कहा कि सरकार सभी जन कल्याणकारी योजनाओं को लेकर स्वयं ग्रामीणों के पास पहुंच रही है।अतः ग्रामीण उन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएं। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी कमलेन्द्र कुमार सिन्हा सहित विभिन्न विभागों के प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी,सम्बंधित पंचायतों के पंचायत सचिव,ग्राम रोजगार सेवक,मुखिया तथा पंचायत समिति सदस्य उपस्थित थे।

पशु शेड योजना की काफी जरूरत

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा प्रखण्ड के तपसी पंचायत में आयोजित आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन के दौरान युवा किसान विकास कुमार यादव को राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना पशु शेड से लाभान्वित किया गया। विकास कुमार यादव वैसे तो किसान के रूप में काफी युवा हैं और अनुभवी भी।

उन्होंने बताया कि उन्हें पशु शेड योजना की काफी जरूरत थी। जिसके तहत वो अपने पशुओं को सुरक्षित तथा बीमारियों से दूर रख सकते है। उन्हें आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का इंतजार था। शिविर लगते ही उन्होंने संबंधित विभाग के स्टॉल में अपना आवेदन दिया। जिस उपरांत उनके आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पशु शेड स्वीकृत कर दिया गया। उन्होंने कहा कि आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम झारखंड सरकार की बहुत ही सराहनीय पहल है। यह ऐसा कार्यक्रम है जहां ग्रामीणों के सुविधानुसार आवेदन प्राप्त कर त्वरित निष्पादन कर लोगों को लाभ पहुंचाया जा सकता है। ऐसे कार्यक्रम के लिए झारखंड सरकार को धन्यवाद कहा।

तालाब को विशेष रूप से सजाये जाने की चर्चा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। धर्मस्थान मंदिर के प्रांगण में बड़ा बांध सार्वजानिक छ्ठ पूजा समिति की एक बैठक विक्रम पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित की गई। आस्था के महा पर्व छठ पर्व की तैयारियों के मद्देनजर बुलाई गई इस बैठक में सभी सदस्यों को उन्हें विभिन्न प्रभार सौंपा गया। साथ ही इस वर्ष बड़ा बांध (पोखरा चौक) में आयोजित होने वाले महा पर्व को एक यादगार वर्ष बनाने पर चर्चा हुई। छठ पर्व को लेकर सदस्यों में काफी उत्साह देखा गया। इस अवसर पर पूरे तालाब को विशेष रूप से सजाये जाने की चर्चा हुई। बड़ा बांध तालाब की सफाई, मुख्य द्वार और कई अनेकों इलेक्ट्रिक द्वार के साथ साथ तालाब को विशेष प्रकार के लाइटों से सुसज्जित किया जाएगा, जो आकर्षण का केंद्र होगा।

बैठक में सर्वसम्मति से डॉ.तुषार ज्योति को अध्यक्ष बनाया गया। साथ ही राम मंडल को सचिव नियुक्त किया गया। साथ ही विक्रम पांडेय, मनोज अंबष्ठ, मानस शेखर गुड्डू और रवि यादव को उपाध्यक्ष का पद दिया गया। सह - सचिव राज वर्मा, कोषाध्यक्ष शशि कांत उपाध्याय, दीपक केवट और उमेश झा मलंग मनोनित किये गए। दीपक स्वर्णकार, वार्ड पार्षद,और जीतन वर्मा को सह - कोषाध्यक्ष बनाया गया। साथ ही मीडिया का काम मनोज केशरी, नितिन कुमार जॉनी और कैलाश केशरी संयुक्त रूप से करेंगे। सफाई प्रभारी के रूप में सपन कुमार साह, तरुण साहा, विकाश रजक और राजकिशोर सिंह पिंटू रहेंगे। शेषनाथ रजक, राजा मोदी, साधन शर्मा, बिनोद केशरी,बिक्की स्वर्णकार,मृणाल मिश्रा, अमित रक्षित, बिक्की पाठक, बिट्टू पोद्दार , मुन्ना पांडेय और विशाल झा को संयुक्त रूप से लाइट प्रभारी बनाया गया। मेला व्यवस्था प्रभारी स्रवन मनोज मृणाल, सत्यजीत मंडल, गोल्डी वर्मा, पप्पू रजक, किशन केवट, कुंदन साह, दीपू कापरी, पीयूष कुमार, प्रिंस वर्मा, जाटू राय, काली रजक, मोनी चंद्रवंशी, अंशु जायसवाल, विकाश केवट, सागर कुमार, अशोक साह, जीतन साह, दिनेश झा, अजय गुप्ता और मनोज रक्षित को संयुक्त रूप बनाया गया। साथ ही निःशुल्क पूजन सामग्री वितरण प्रभारी के रूप में संजीव कुमार दे, मनोज स्वर्णकार, संजय वर्मा, संजय कापरी, विवेकानंद सिन्हा, सिकंदर बक्स, मो. हसनैन, पिंटू सिंह, चुम्मन सिंह, बबलू दुबे, सितेश जायसवाल, प्रीतम जायसवाल, कन्हाय साह और नितेश चौरसिया को बनाया गया। समिति के संरक्षक डॉ लुईस मरांडी, सुनील सोरेन (सांसद) बसंत सोरेन(स्थानीय विधायक), महेश राम चंद्रवंशी, सीमा देवी, राजकुमारी देवी, (दोनों पार्षद) को बनाया गया है। निगरानी सदस्यों में राधेश्याम वर्मा, प्रेम केशरी, श्वेता झा (अध्यक्ष नगर परिषद) , बिनोद कुमार लाल, (उपाध्यक्ष, नगर परिषद), अनूप कुमार सिन्हा, मनोज कुमार घोष, रंजीत साह, अमर कुमार गुप्ता, अमरेन्द्र कुमार सिंह मुन्ना, विश्वनाथ राऊ त, आशीष लायक, रामाकांत साह, बीरबल प्रसाद गुप्ता, श्यामल सिंह, सुनीता मुखर्जी और अजय कुमार झा मिकी को बनाया गया। इसके अतिरिक्त अनेकों लोगो को कार्यकारिणी सदस्य भी बनाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

तीन दिवसीय दुर्गा पूजा सह लक्खी पूजा मेला का आयोजन

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड के मुख्य बाजार स्थित हाटपाड़ा में तीन दिवसीय सार्वजनिक दुर्गा पूजा का लक्खी पूजा मेला का आयोजन किया गया। मेला का उद्घाटन पाकुड़ के जिला परिषद सदस्य प्रियंका मालतो, गोपीकांदर जिला के जिला परिषद सदस्य निशा शबनम हांसदा, मेला समिति के अध्यक्ष मंटू भगत, कार्तिक कुमार एवं गणमान्य व्यक्ति के द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया गया। उद्घाटन के बाद बांग्ला और हिंदी जतरा का आयोजन किया गया। इस जतरा में रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंगारंग कार्यक्रम में कलाकारों के द्वारा लोगों का मन मोह लिया। लोगों ने भी रंगारंग कार्यक्रम का लुफ्त उठाया।

संस्था के उपाध्यक्ष ने रक्तदान कर मरीज की बचाई जान

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । शहर के पुराना सदर अस्पताल स्थित रक्त अधिकोष गृह में शुक्रवार को सत्य सनातन संस्था के वरीय सदस्य व छोटी अलीगंज निवासी संदीप त्रिवेदी ने 35 वर्षीय राजू साहा जो नगर के मोहल्ला आदर्शनगर के निवासी है को रक्तदान कर बचाई जान। संस्था के कोषाध्यक्ष अमर ठाकुर ने कहा कि शहर के आदर्शनगर निवासी राजू साह जो कुष्ठ रोग के मरीज है उनका तबियत अचानक खराब हो गया,जिसके इलाज के लिए उन्हें पाकुड़ के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चिकित्सको ने रक्त की कमी बताया, व तुरत रक्त उपलब्ध करने का सुझाव दिया, रक्त के लिए उनके परिजन ने संस्था से सम्पर्क किया। जिसपर संस्था वरीय सदस्य संदीप त्रिवेदी ने स्थिति को देखते हुए रक्त देने को तैयार हो गए,और पाकुड़ स्थित रक्त अधिकोष पहुचकर अपना रक्तदान किया है। रक्तदाता संदीप त्रिवेदी ने कहाँ कि रक्त की कमी के कारण किसी की जान नही जानी चाहिए, जब आवस्यकता पड़े लोगो को आगे बढ़ - चढ़ कर रक्तदान करना चाहिए,रक्त मिलने पर मरीज के परिजनों ने संस्था के सदस्यों को दिल से धन्यवाद दिया है। मौके पर संस्था के अन्य सदस्य मौजूद थे।

नगर पालिका चुनाव 2022-23 से संबंधित प्रशिक्षण

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । प्रमोद कुमार दास उप निर्वाचन पदाधिकारी (नगर पालिक) सह कार्यपालक दंडाधिकारी, जिला पंचायत राज पदाधिकारी एवं अमित कुमार आर्य आयोग द्वारा प्रशिक्षित कंप्यूटर ऑपरेटर के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। नगर पालिका आम चुनाव 22- 23 के लिए समाहरणालय सभागार में मतदाता सूची विखंडन हेतु सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि विखंडन संबंधित कार्य को विभाग के निर्देशानुसार 17 अक्टूबर 2022 तक पूर्ण कर लेना है। एवं मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन 19 अक्टूबर 2022 को एवं दावा आपत्ति 29 अक्टूबर 2022 तक प्राप्त किया जाना है। दावा आपत्ति का निराकरण एवं मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 4 नवंबर 2022 तक किया जाना है ।

महेशपुर पुलिस ने 260 पीस जिलेटीन व 260 पीस डेटोनेटर किया जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

पाकुड़ । (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । महेशपुर थाना प्रभारी सुनिल कुमार रवि को गुप्त सुचना मिली कि एक बाइक सवार युवक विस्फोटक समाग्री लेकर शहरग्राम के रास्ते पश्चिम बंगाल जाने की तैयारी में है। पुलिस इंस्पेक्टर प्रभू सहाय एक्का टीम गठित कर थानेदार के साथ एसआई पुनित गौतम आनंन्द पंडित शैलेन्द्र नायक दलबल के साथ छापेमारी कर कालूपाडा के पास पिछा करते हुए भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ के साथ पाकुड़िया के शरूद्दीन शेख को गिरफ्तार किया है। पुलिस केस दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया। महेशपुर प्रभाग पुलिस इंस्पेक्टर प्रभु सहाय एक्का ने प्रेस कांफ्रेंस कर खुलासा। बाइट महेशपुर प्रभाग पुलिस इंस्पेक्टर प्रभु सहाय एक्का ।

20 सूत्री क्रियान्वयन समिति के सदस्यों का हुआ भव्य स्वागत

चुरचू। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि) । शुक्रवार को चुरचू प्रखंड कार्यालय के सभागार में चुरचू प्रखंड के 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष,उपाध्यक्ष व सदस्यों का भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में 20 सूत्री के अध्यक्ष बाल कुमार महतो उपाध्यक्ष लखी राम मांझी, व सदस्य जेपी यादव, देवसागर सिंह, चुन्नू लाल हांशदा, अख्तर अंसारी राहुल यादव, जसो देवी, दिलेश्वर महतो को स्वागत की गई।

स्वागत समारोह में महागठबंधन में शामिल झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला सचिव नीलकंठ महतो, हजारीबाग कांग्रेस जिला सचिव अनवर हुसैन, झारखंड मुक्ति मोर्चा का युवा नेता अंशु पटेल उर्फ गौरव, झारखंड मुक्ति मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र कुमार, कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष नौशाद आलम, राजद नेता नीरज कुमार प्रसाद ,प्रभु मुर्मू लालो मांझी, आनंद मरांडी, भीखन महतो, वारिस अंसारी, दशरथ महतो, पारस महतो, योगेंद्र महतो, छत्रु राम, दिनेश रविदास, श्याम मरांडी, राजकुमार करमाली, रीना देवी ,शांति देवी, प्राण फिल्प, गणपत सिंह भोक्ता, दुर्योधन महतो, सहित कई लोग शामिल हुए।

उपायुक्त ने किया पेयजल एवं स्वच्छ भारत मिशन का मासिक समीक्षात्मक बैठक

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । शुक्रवार को उपायुक्त वरुण रंजन की अध्यक्षता में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं जल जीवन मिशन का मासिक समीक्षात्मक बैठक आहूत किया गया। बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अंतर्गत ऑन गोइंग एमवीएस, मासिक प्रगति प्रतिवेदन एसवीएस/क्लस्टर, प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कार्यात्मक घरेलू नल जल कनेक्शन (एफएचटीसी) की स्थिति, ऑनगोइंग क्लस्टर रिपोर्ट एवं हर घर जल से संबंधित प्रतिवेदन तथा स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत प्रखंडवार पेंडिंग यूसी, प्रखंडवार ओडीएफ प्लस एवं एसएलडबल्यूएम के लिए कार्य प्रबंधन हेतु राशि हस्तांतरण सहित अन्य बिंदुओं पर बारी बारी से समीक्षा किया गया एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। बैठक में उपायुक्त द्वारा पृच्छा किए जाने पर कार्यपालक अभियंता पीएचईडी के द्वारा बताया गया कि कुल 2 लाख 26 हजार 231 घरों को घरेलू नल कनेक्शन से जोड़ना है। जिसमें अब तक कुल 12 हजार 609 घरों को जोड़ा जा चुका है। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने निर्धारित लक्ष्य के ससमय प्राप्ति हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उपायुक्त ने ऑनगोइंग एमवीएस के प्रगति की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया गया कि भूमि हस्तांतरण से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु प्रत्येक सप्ताह के बुधवार को अपर समाहर्ता अपने स्तर से सभी अंचल अधिकारी के साथ बैठक करना सुनिश्चित करेंगे जिसमें पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल पाकुड़ से कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता एवं कनीय अभियंता सम्मिलित होंगे। बैठक में लिए गए निर्णय की प्रोसिडिंग कॉपी उपायुक्त को देना सुनिश्चित करेंगे। जल जीवन मिशन के तहत उपायुक्त द्वारा इन सभी योजनाओं के उचित क्रियान्वयन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। वहीं क्लस्टरवार संचालित सभी योजनाओं के बारे में मासिक प्रगति की समीक्षा की एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। बताया गया कि प्रस्तावित एमवीएस स्टेटस प्रक्रियाधीन है।वहीं हर घर जल विलेज रिपोर्ट को लेकर भी आवश्यक समीक्षा कर दिशा निर्देश दिया। बैठक में उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को बेहतर प्रबंधन के साथ पेयजलापूर्ति हेतु आवश्यक निर्देश दिया। वहीं बैठक में उपायुक्त ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण को लेकर किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की।

उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज 2 अंतर्गत ओडीएफ प्लस एवं एसएलडबल्यूएम के लिए कार्य प्रबंधन हेतु राशि हस्तांतरण की जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा निर्देश दिया। वहीं बताया गया कि इस वित्तीय वर्ष में कुल लक्ष्य 262 गांवों के विरुद्ध उक्त सभी गांव में सोकपीट, नाडेप भस्मक इत्यादि के लिए निर्माण हेतु भीडब्ल्यूएससी को राशि हस्तांतरित की जा रही है। उपायुक्त ने निर्देश दिया गया कि झार जल ऐप के माध्यम से शत प्रतिशत रजिस्ट्रेशन करवाकर सभी चापाकल को अपलोड करना सुनिश्चित करें, जहां जलसहिया नहीं है वहां नई नियुक्ति की प्रक्रिया अपनाकर जल सहिया की बहाली करें। साथ ही खराब पड़े चापाकल की मरम्मती हेतु 15 वें वित्त राशि से करने हेतु कनीय अभियंता अपने स्तर से प्रत्येक चापाकल में लगने वाले पाइप की विवरणी सहित कार्य योजना बनाकर मुखिया के साथ समन्वय स्थापित कर मरम्मती कार्य को पूर्ण करें। वही जलसहिया को प्रोत्साहन राशि के लिए आवेदन प्राप्त होने पर राज्य द्वारा प्राप्त 3 माह (सितंबर अक्टूबर एवं नवंबर 2022)का प्रोत्साहन राशि कार्य के आधार पर देने का निर्देश दिया गया। जल जीवन मिशन के तहत पंप ऑपरेटर इलेक्ट्रिशियन एवं प्लंबर प्रशिक्षण उपरांत तकनीकी कार्यों में सहयोग लिया जाए।

महावारी स्वच्छता प्रबंधन हेतु प्रत्येक सीएससी एवं उच्च विद्यालय में भस्मक का अधिष्ठापन 2 माह के अंदर कराना सुनिश्चित करें, प्लास्टिक प्रबंधन एवं गोवर्धन योजना हेतु लक्ष्य के अनुरूप यूनिट को स्थापित कराना सूचित करें। मौके पर कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल पाकुड़, राहुल श्रीवास्तव, जिला समन्वयक (र&ल) सुमन मिश्रा, जिला समन्वयक (ट&ए) रितेश कुमार एवं जिला समन्वयक (क्एउ) मो० इमरान आलम, कनीय अभियंता पाकुड़, दिनेश मंडल कनीयअभियंता लिट्टीपाड़ा, जेम्स मुर्मू उपस्थित थे।

मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

गोड्डा। आज दिनांक 14.10.2022 को पुलिस अधीक्षक, गोड्डा के द्वारा अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस निरीक्षक, परिचारी प्रवर थाना प्रभारी शाखा प्रभारी एवं अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित कर अपराध, विधि-व्यवस्था, पुलिस द्वारा किये जा रहें कार्यों के संबंध में विस्तृत परिचर्चा की गई एवं निर्देश दिये गये।

अवैध रूप से शराब कौरेक्स, गांजा इत्यादि मादक पदार्थों की बिकी करने वाले एवं तस्करी करने वाले के अड्डों पर छापामारी करने एवं संलिप्त व्यक्तियों को चिन्हित करते हुए विधि सम्मत कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। सभी दागियों और अपराधिक छवि वाले लोगों पर कड़ी नजर रख कर सर्विलांस प्रोसीडिंग की कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।

डायन प्रथा, मानव तस्करी, बच्चा चोरी अफवाह जैसी घटनाओं के संबंध में जनजागरूकता अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया। प्रत्येक सप्ताह के गुरुवार को थाना दिवस आयोजित कर अग्रेतर कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया। वाहन दुर्घटना, वाहन चोरी एवं अपराध को रोकने के लिए सभी थाना प्रभारी को सयम-समय पर स्थान बदल-बदल कर वाहन चेंकिग करने का निर्देश दिया गया। थाना स्तर से जितने भी बैंक, एटीएम, ज्वैलरी शॉप्स, अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान है उनकी सुरक्षा की समीक्षा करने का निर्देश दिया।

05 (दो) वर्ष से अधिक पुराने काण्डों के त्वरित निष्पादन के लिए निर्देश दिया गया। सभी थाना के आँकड़ों को सी०सी०टी०एन०एस० में ससमय प्रविष्टि कराने का निर्देश दिया गया।

सभी थाना प्रभारी को नियमित रूप से गाँव में जाकर पुलिस पब्लिक बैठक राना एवं गाँव वाले के साथ मित्रवत व्यवहार रखने का निर्देश दिया गया एवं सप्ताह में एक दिन थाना दिवस का आयोजन करे।

सभी थानो को अधिकाधिक कांड के निष्पादन के लिए लक्ष्य दिया गया। साथ ही लंबित वारण्ड एवं कुर्की का निष्पादन हेतु निर्देश दिया गया।

अवैध खनन की रोकथाम के लिए खनन विभाग इत्यादि के साथ समन्वय स्थापित कर विधिसम्मत कार्रवाही करने का दिशा-निर्देश दिया गया।

सभी अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस निरीक्षक को सभी अनुसंधानकर्ता के साथ निरंतर काण्डों की समीक्षा कर लंबित काण्डों का निष्पादन करने हेतु दिशा-निर्देश दिया गया। लंबित चरित्र सत्यापन, पासपोर्ट सत्यापन, पुलिस हेल्प लाईन से प्राप्त आवेदनों की जाँच कर ससमय निस्ताकरण करने का निर्देश दिया गया। सम्पत्ति मूलक अपराधों को रोकने के लिए सभी थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

अवैध तरीके से की बिक्री करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया । महिलाओं के प्रति अपराध की सूचना अथवा थाना में आवेदन प्राप्त होते ही त्वरित रूप से कार्रवाई करना सुनिश्चित करेंगे।

कल्याणकारी योजनाओं के तहत आमजनों को किया जा रहा है लाभान्वित

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

हनवारा। महागामा प्रखंड के खोरद पंचायत के सिरसी स्कूल में में आपकी योजना -आपकी सरकार- आपके द्वार कार्यक्रम का उद्घाटन महागामा प्रखंड प्रमुख अफसाना बानो,जिला परिषद नगमा आरा, बीस सूत्री अध्यक्ष फिरोज अख्तर के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। जिसके बाद कल्याणकारी योजनाओं के तहत आमजनों को लाभान्वित किया गया। इस दौरान सबों के द्वारा आमजनों को शिविर के माध्यम से लाभ प्राप्त करने हेतु प्रेरित भी किया गया।

शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए गए थे, जिनमें खाद्य आपूर्ति विभाग, कल्याण विभाग ,सामाजिक सुरक्षा विभाग, राजस्व विभाग ,ग्रामीण विकास विभाग,पंचायती राज विभाग, श्रम विभाग ,महिला बाल कल्याण एवं समाज कल्याण विभाग, पशुपालन विभाग ,सहकारिता विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल विभाग, स्वास्थ्य विभाग, सहित अन्य स्टॉल लगाए गए।

जहां कार्यक्रम में आने वाले ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं के विषयों के बारे में विस्तार से बताया गया साथ ही उनकी शिकायत एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्राप्त किए गए और ज्यादातर आवेदनों का समाधान ऑन स्पॉट किया गया। कार्यक्रम के दौरान लाभुकों के बीच विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से लाभुकों को लाभान्वित कर लाभुकों के बीच विभिन्न योजनाओं के तहत परिसम्पतियों का वितरण किया गया।

इसके अलावे आज के कार्यक्रम में लाभुकों के बीच विभिन्न योजनाओं के तहत लाभन्वित व परिसम्पतियों को वितरण के साथ आवेदन भी प्राप्त किए गये। जिनमें से ज्यादातर मामलों का निष्पादन ऑन स्पॉट किया गया। साथ हीं लाभुकों के बीच सोना सोबरन धोती साड़ी योजना, सहित अन्य योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़िया(पाकुड़) । पाकुड़िया प्रखंड के बसंतपुर स्कूल परिसर मे आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का उद्घाटन जिला कल्याण पदाधिकारी एवं जिप अध्यक्ष के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। उक्त शिविर में आपूर्ति कल्याण, समाज कल्याण, पशुपालन, मनरेगा पंचायतीराज, कृषि ,सामाजिक सुरक्षा, ग्राहक सुविधा केंद्र, श्रम, स्वास्थ्य, राजस्व, जेएसएलपीएस एवं शिक्षा विभाग की अलग-अलग स्टॉल का निरीक्षण किया स्टोलों में संबंधित जन शिकायतों के आवेदन पर शीघ्र सुनवाई करने का निर्देश दिया गया साथ ही विधवा, वृद्धा पेंशन, जॉब कार्ड रीम प्रस्तुति पत्र सहित अन्य लाभ लाभुकों को तुरंत वितरण किया गया मौके पर वीडियो मनोज कुमार सीओ किरण डांग, बीपीओ जगदीश पंडित , प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष मोतीलाल हंसदा, हरिवंश चौबे , मुखिया सहित अन्य पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

नगर परिषद द्वारा निर्मित शौचालय बंद होने से परेशानी

गोड्डा। निधि वत्स । सदर अस्पताल स्थित सार्वजनिक शौचालय नगर परिषद द्वारा निर्मित जो काफी दिनों से बनकर तैयार हो चुका था वह बंद पड़ा हुआ था। समस्या की जानकारी मिलते ही विधायक अमित मंडल के द्वारा विधायक प्रतिनिधि गप्पू सिन्हा को समस्या को लेकर निर्देशित किया गया। सूचना मिलते ही अविलंब सदर अस्पताल पहुँच कर उक्त शौचालय का निरीक्षण किया और देखा कि सार्वजनिक शौचालय बनकर तो तैयार है लेकिन ग्रिल और खिड़की जंग खा रही है। अनावश्यक पौधे आसपास निकल गए हैं और दुखद बात ये था कि इसकी सुधि लेने वाला कोई नहीं है। उक्त स्थान को लेकर गोड्डा नगर परिषद पदाधिकारी को वास्तविकता से अवगत कराया। विधायक प्रतिनिधि गप्पू सिन्हा द्वारा संज्ञान में देते ही कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा त्वरित चालू करने का निर्देश दिया गया । ज्ञात होकि सदर अस्पताल में आने वाले मरीजों के अटेंडेंट एवं लोगों को सार्वजनिक शौचालय नहीं रहने के कारण उनके द्वारा अस्पताल के कैंपस में ही यदा-कदा गंदगी कर दिया करते थे। अब कुछ ही दिनों में शौचालय के चालू हो जाने से मरीजों एवं जनता को सुविधा भी मिल सकेगी। इस कार्य में सदर अस्पताल के प्रबंधक मनाली कुमारी जी भी उपस्थित थी।

मोहनपुर के बरमसिया में मां काली का भव्य पूजनोत्सव

दुमकाः वैसे तो माँ काली की पूजा सर्वत्र होती है और इस पूजा का अपना ही एक विशेष महत्व है, किंतु किसी व्यक्ति द्वारा व्यक्तिगत रूप से इस पूजा का आयोजन इसे और भी खास बना देता है। शिकारीपाड़ा (दुमका) प्रखंड अंतर्गत मौजा मोहनपुर (बरमसिया) में 24 से 25 अक्टूबर तक (दो दिवसीय) होने वाली माँ काली की भव्य पूजा की तैयारी को लेकर अभी से ही कवायद काफी तेज कर दी गई है। इस वर्ष माँ काली की विशेष पूजा के मुख्य आयोजक विनय कुमार गुप्ता के अनुसार श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए स्वयंसेवकों की एक पूरी टुकड़ी द्वारा मंदिर के भीतरी व बाहरी प्रशाल में निगाहें चौकस रखी जाएँगी। श्री गुप्ता के अनुसार कोरोना संक्रमण काल की समाप्ति के बाद इस वर्ष यह पहला अवसर होगा जब आदिवासियों व गैर आदिवासियों की भारी भीड़ मौजूद रहेगी। आस्था व श्रद्धा का सैलाब पूजनोत्सव में मौजूद रहेगा। वहीं दूसरी ओर मेला के भव्य आयोजन में उनकी उपस्थिति रहेगी। श्री गुप्ता के अनुसार मोहनपुर स्थित माँ काली के दरबार में माँगी गई मन्नतों पर कार्रवाई त्वरित होती है। झारखंड के विभिन्न जिलों सहित पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों से मोहनपुर माँ काली पूजनोत्सव देखने के लिए लोग आते हैं।

आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में ग्रामीणों का उमड़ा हुजूम

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

मोहनपुर। आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार का कार्यक्रम का तीसरा दिन शुक्रवार को बीचगढ़ा पंचायत भवन परिसर में आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ विवेक किशोर, मुखिया सुलेखा देवी , पंचायत समिति कविता देवी,जिला परिषद शांति देवी, रोजगार सेवक , और सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा संयुक्त रूप से किया गया । इस कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉ विवेक किशोर खुद पहुंचकर लगाए गए स्टॉल को निरीक्षण कर कहां की जन कल्याणकारी योजना का लाभ सभी को मिले इसके लिए प्रखंड कर्मी सेवा भाव से कार्य करें इस दौरान इस ग्रामीणों की फरियादियों की समस्या सुना और कई मामले ऑन द स्पॉट समाधान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान एक महिला अपनी फरियाद बीडीओ साहब के पास आवेदन लेकर गए और कहा कि आवास के मामले को लेकर कई वर्षों से प्रखंड कार्यालय का चक्कर लाकर थक चुके थे। इतना ही नहीं पिछले वर्ष भी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में आवास के मामले में आवेदन दिया था आवेदन जो का तो ही रह गया फिर किया था। साहब ने बिना देर किए ही रोजगार सेवक को निर्देश दिया और त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑन द स्पॉट समाधान किया गया। कार्यक्रम के दौरान नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरुक किया जा रहा था साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने का लक्ष्य उन्हें आम जनों से कहा कि लोग इस महत्वाकांक्षी योजनाओं को भरपूर लाभ उठाएं। इस दौरान शिक्षा स्वास्थ्य, किशोरी समृद्धि योजना, ,कृषि विभाग ,पशुपालन विभाग ,श्रम विभाग, पेंशन ,आवास, मनरेगा आपूर्ति विभाग द्वारा स्टाल लगाकर इस विशेष शिविर के माध्यम से पंचायत की समस्या का निराकरण किया गया। कार्यक्रम के तहत शिविर में पहुंची किशोरियों को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ मिला लाभ मिलने पर किशोरियों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि इसे हमें अच्छी शिक्षा करने में काफी सहूलियत होगी।

- **आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में लाभुकों में दिख रहे थे खुशी-**

आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम की शुरुआत से ही लोगों में उम्मीद की खुशी झलक रहे थे कि जिन छोटी-छोटी मामले के लिए आए दिन प्रखंड का चक्कर लगाते लगाते थक चुके थे ऐसे मामले का इंसाफ शिविरों के माध्यम से तुरंत निराकरण किया जा रहा है चाहे वह पेंशन हो या खाद आपूर्ति विभाग सभी मामले त्वरित निष्पादन से ग्रामीणों के चेहरे में खुशी झलक रही है।

कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये दुमका से रवाना

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। दुमका जिला कुश्ती संघ के तत्वाधान में 23 वीं झारखंड राज्य सीनियर पुरुष फ्री स्टाइल,ग्रीको रोमन स्टाइल एवं महिला कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए दुमका के पहलवानों को आशीर्वाद देकर दुमका जिला कुश्ती संघ के संरक्षक राधेश्याम वर्मा ने दुमका रेलवे स्टेशन से विदा किया। दुमका जिला कुश्ती संघ के सचिव संदीप कुमार जय बमबम के साथ कुश्ती टीम रवाना हुई।टीम के पहलवानों में दीपक दत्ता,सुधीर कुमार राउत,मो अफरीद अंसारी,महिला पहलवान कोमल मरांडी,ललिता कुमारी,प्रमीका हेंब्रम,अंजू टूडू,अस्मत खातुनसबजुनियर वर्ग के कृष्णा कुमार ,बिरेंद्र टूडू ,आबुल अंसारी,श्रेष्ठ कुमार आदि रवाना हुए

- **कुछ और चयनित खिलाड़ी बस से भी प्रस्थान करेंगे-**

दो सिनियर खिलाड़ी फरीद खान और प्रिंस राज सिंह 13 अक्टूबर को गोड्डा में आयोजित मैच रेफरी कैम्प में पहुंच कर शामिल हो चुके हैं।पुरी टीम को दुमका जिला कुश्ती संघ के मुख्य संरक्षक सुदर्शन प्रसाद मंडल,अध्यक्ष डॉ तुषार ज्योति,उपाध्यक्ष अमिता रक्षित,प्रेम केसरी,मनोज कुमार घोष,विजय राउत,अशोक कुमार राउत सहित सभी पदाधिकारी व सदस्यों ने शुभकामनाएं प्रेषित किया।

शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा दुमका मॉडल कालेज: डॉ संजय

दुमका (काप्र)। दुमका सिदो-कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ संजय कुमार सिन्हा ने कहा कि दुमका माडल कालेज शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। यह डिग्री कालेज है। शहर के विजयपुर में इस कालेज में सही प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध है जिससे कि बेहतरीन माहौल में छात्र छात्राएं शिक्षा ग्रहण कर सकेंगी। डॉ संजय शुक्रवार को माडल स्कूल में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मानव संसाधन की जो भी थोड़ी बहुत कमियां हैं विश्वविद्यालय उसे जल्द ही पूरा करने की दिशा में कार्य कर रहा है। साथ ही उन्होंने कहा कि इस कालेज के खुलने से विजयपुर के आसपास ही नहीं बल्कि आनेवाले दिनों में दूरदराज के

छात्र भी नामांकन के लिए आएंगे । पत्रकार वार्ता में कालेज के वर्शर डॉ शंभू प्रसाद सिंह ने कहा कि हरे भरे वातावरण में बने यह कालेज छात्रों को आकर्षित करने में सक्षम है। इसके साथ ही इस महाविद्यालय में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के लिए विश्वविद्यालय कंपनी ओर से कोई कमी नहीं छोड़ेगा। वहीं एसकेएमयू के सीसीडीसी डॉ विजय कुमार ने कहा कि कोई भी महाविद्यालय तभी गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा दे सकता है जब शिक्षक छात्र और न शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में समन्वय स्थापित कर सकने में कामयाब हो और इस मामले में यह महाविद्यालय समन्वय स्थापित करते हुए इतिहास बनाएगा। मौके पर महाविद्यालय की प्रथम प्राचार्य मैरी मारग्रेट टुडू और महाविद्यालय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विजयपुर गांव के ग्राम प्रधान जियाराम हेम्ब्रम के साथ काफी संख्या में गांव के लोग उपस्थित थे।

मुनीया देवी ने किया मोटरसाइकिल शो रूम का उद्घाटन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमुआ। प्रखंड के चितरडीह में मोटरसाइकिल शो रुम का उद्घाटन चेयरमैन मुनीया देवी ने किया। जमुआ प्रखंड अंतर्गत ग्राम चितरडीह में मोटरसाइकिल का शो रूम का उद्घाटन विधिवत रूप से चेयरमैन मुनीया देवी, नगर पालिका पुर्व अध्यक्ष दिनेश लाल यादव, कांग्रेस नेत्री मंजू देवी ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर जीप अध्यक्ष मुनिया देवी ने कहा कि चितरडीह में बजाज का शोरूम खुलने से यहां के आसपास के लोगों को मोटरसाइकिल लेने में काफी सुविधा होगी। मौके पर दिनेश लाल यादव ने कहा कि चितरडीह में बजाज शोरूम खुलने से यहां के ग्रामीणों को अब गिरिडीह या जमुआ मोटरसाइकिल खरीदने के लिए नहीं जाना होगा ।इस बाबत कांग्रेस नेत्री मंजू कुमारी ने कहा कि चितरडीह में बजाज मोटरसाइकिल शोरूम खोलने से यहां के ग्रामीण काफी खुश हैं ।क्योंकि आज के परिपेक्ष में हर घर में मोटरसाइकिल की आवश्यकता है ।और उसकी पूर्ति हेतु यहां पर बजाज शोरूम के संचालक जागेश्वर यादव ने शोरूम खोलकर लोगों को सुविधा दी है। मौके पर प्रमुख प्रतिनिधि लाटी यादव, उपप्रमुख रबुल हसन रब्बानी, मुखिया उमा देवी, रोहित दास, पुर्व प्रधानाध्यापक जयप्रकाश सिंह, रघुनाथ महतो,भरत नारायण सिंह,सनिचर महतो, रामदेव यादव,जुमदली मियां, मनीष शर्मा, मनोज वर्मा,मो खलील अंसारी, रहमत अंसारी, केदारनाथ सिंह,प्रदीप यादव, जितेंद्र राय,आदि लोग मौजूद थे।

जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत

यूथ डोरमिटरी की अवधारणा और इसकी संस्कृति

डा.अभिषेक चौहान/ डा.दिनेश नारायण वर्मा।

- **भारत मे जनजतियों की परमपरागत व्यवस्थाएं-**

भारत में जनजातीय समाज अपनी विभिन्न प्रकार की पारम्परिक व्यवस्थाओं और मान्यताओं के लिए प्रख्यात है। इनकी आबादी के दृष्टिकोण से उड़ीसा,पश्चिम बंगाल,झारखंड,राजस्थान, महाराष्ट्र, केरल,छत्तीसगढ़ के अलावा उत्तर-पूर्व के राज्य विशेष रूप से उल्लेखनीय और महत्वपूर्ण हैं। मिनिस्ट्री ऑफ ट्राइबल अफेयर्स, भारत सरकार की वार्षिक रिपोर्ट 2013-14 में दिये गये आंकड़ों के अनुसार देश में सात सौ प्रकार की जनजातियां निवास करती हैं जो संविधान की आर्टिकल 342 के तहत अधिसूचित हैं। अद्यतन जनगणना रिपोर्ट 2011 के आंकड़ों के अनुसार झारखंड बत्तीस प्रकार की जनजातियों का निवास स्थल है। धर्म,संस्कृति,अर्थ,राजनीति और समाज आदि के क्षेत्र में जनजातियों की अपनी परम्परागत व्यवस्थाएं हैं जिनसे वे आज भी जुड़े हैं और इसे बनाये रखने पर विशेष रूप से चौकस रहते हैं।

- **सोशल इन्स्टीच्यूशन युवा गृह-**

मांकी-मुंडा प्रथागत व्यवहार और राजनीतिक व्यवस्था जैसे परहा व्यवस्था आदि की तरह जनजातीय समाज में यूथ डोरमिटरी (धुमकुड़िया,युवा गृह,शयनगृह) की अवधारणा काफी प्राचीन है। यह जनजातीय सामाजिक संगठन का एक महत्वपूर्ण सोशल इन्स्टीच्यूशन है। ज्ञातव्य है कि जनजातियों के विभिन्न प्रकार के विश्वासऔर आदर्श निश्चित होते हैं जिनका वे अनुपालन परम्परागत तरीके से करते हैं। हालांकि अधिकांश जनजातियां इसे कायम रखने के लिए सतर्क और प्रयासरत हैं इसके बावजूद बिगत वर्षों में इस व्यवस्था के काफी धूमिल होने की जानकारी है।

- **जनजातियों में युवा गृह -**

अरुणाचलप्रदेश,असम,मिजोरम, मणिपुर,नागालैंड,केरल,छत्तीसगढ़,त्रिपुरा,उड़ीसा, झारखंड आदि राज्यों में निवासित जनजातियों में विभिन्न नामों से इसकी व्यवस्था है,जैसे नागा,वान्चू और नोक्ते में मोरंग,भुइयां में धांगड़बासा, बिरहोर मे गिटोना,मुरिया और गोंड में घोटुल, जुआंग में दरबारी,गारो में नोकपन्ते,भोटिया में रंगबांग,खासी जनजाति में चांग,मुंडा और हो में गितिओरा,उरांव में धुमकुरिया आदि इसके प्रमुख और प्रामाणिक ऐतिहासिक उदाहरण हैं।कहीं कहीं पर युवक-युवतियों के लिए अलग व्यवस्था है जैसे असम की कोनयाक नागा जनजाति में महिला युवा गृह को ‘योर’ और पुरुष युवा गृह को ‘मोरंग’ कहा जाता है।

- **युवा गृह की व्यवस्थाएं-**

यह उल्लेखनीय है कि युवा गृह एक बड़े भवन में केन्द्रीत होता है।इसमें युवकों और युवतियों के लिए अलग अलग व्यवस्था होती है। इसी में उनके सोने की अलग अलग व्यवस्था होती है।पर जहां युवतियों के लिए अलग व्यवस्था नहीं होती, ऐसे में युवतियों की व्यवस्था किसी बुजुर्ग महिला के घर पर की जाती है जो उनकी देखभाल करती है। इस प्रकार की प्रथा मुंडा जनजाति में प्रचलित है। मध्यप्रदेश के बस्तर जिले की जनजातियों में पन्द्रह-सोलह वर्ष के युवक और युवतियों

के युवा गृह में सोने की व्यवस्था होती है। गांव के बाहर स्थापित युवा गृह में उरांव युवक रात गुजारते हैं। हो जनजाति के युवक और युवतियों के लिए अलग अलग व्यवस्था होती है। असम की मिआमी और बस्तर जिले की मुरिया जनजाति में भी अलग अलग व्यवस्था किये जाने की परम्परा है। ये युवा गृह अधिकतर गांव के बाहर पुआल,घास-फूस आदि से बनाये जाते हैं जहां रात में युवक-युवतियां एकत्रित होते हैं और नृत्य-संगीत के अलावा वे अन्य सामाजिक कार्यों में भी शामिल होते हैं। उन्हें जनजातीय कला,संगीत और नृत्य का प्रशिक्षण दिया जाता है।(आर.एस.मान1993) इसके सदस्यों को अनुशासन,स्वच्छता और कठोर परिश्रम करने की भी शिक्षा दी जाती है। ये सारे कार्य इसके वरीय सदस्यों द्वारा किये जाते हैं पर कुछ पदाधिकारियों का चुनाव भी किया जाता है (बी.आर.रेड्डी1997) ।

- **युवा गृह के कार्य-**

जनजातियों में प्रचलित डोरमिटरी के लक्ष्यों और व्यवस्थाओं के आलोक में यह कहा जा सकता है कि प्राचीन भारत की गुरुकुल परम्परा/आश्रम व्यवस्था जनजातियों की इस व्यवस्था से मिलती जुलती है। इस संदर्भ में यह उल्लेखनीय है कि इन व्यवस्थाओं में युवाओं को अपने परिवार से दूर रह कर अनेक प्रकार के प्रशिक्षण प्राप्त करना होता है ताकि उनमें उत्तरदायित्व की भावना उत्पन्न हो सके। यह व्यवस्था शीघ्र ही इतनी महत्वपूर्ण हो गयी कि शोध विद्वानों,मानवविज्ञानियों और इतिहासकारों आदि ने इस पर विशेष ध्यान दिया और इसकी विभिन्न व्यवस्थाओं और उपयोगों की विवेचना की। इन लेखकों में शरद चन्द्र राय(2015), वेरियर एल्विन(1947), सच्चिदानन्द(1965) और निर्मल कुमार बोस (1972) विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। राय के अनुसार भोजन प्राप्त करने के उद्देश्य से एक प्रभावी आर्थिक संगठन, युवाओं को सामाजिक -सांस्कृतिक आदि प्रशिक्षण देने,सफल शिकार करने और युवकों की प्रजनन शक्ति को बढ़ाने के लिए किए गए जादू और धार्मिक प्रदर्शन के लिए यह एक महत्वपूर्ण स्थल के रूप में विकसित हो गया था।पर एल्विन के अनुसार अर्ध सैन्य बैरक के अलावा दूसरे लिंग के साथ संबंध की अनुमति देने में इसका उपयोग किया जाता था। सच्चिदानन्द ने लिखा है कि सोने के घर,नृत्य-संगीत के स्कूल और किसी के अनुरोध करने पर सरकारी श्रम के रूप में इसका उपयोग किया जाता था। उरांव जनजाति में इसकी व्यवस्था का उल्लेख करते हुए निरमल कुमार बोस ने लिखा कि युवा गृह गांव में सामान्य श्रम उपलब्ध करने के एक स्रोत के अलावा अन्य कई दृष्टिकोणों से भी महत्वपूर्ण होते हैं। इसके सदस्यों को अनुशाससित जीवन व्यतीत करना पड़ता है और उन्हें युद्ध के तौर-तरीके,लड़ाई,पहलवानी, खेल-कूद,यौन सम्बन्ध,नैतिक जीवन और शिक्षा आदि की बुजुर्गों द्वारा प्रशिक्षण और शिक्षण दिया जाता है। इसके सदस्य एक दूसरे को अपनी लोक कहानियों,लोक गीतों आदि की जानकारी देते हैं जिसकी उन्हें जानकारी होती है।कभी कभी ये युवा गृह आगन्तुकों के लिए आरामगृह के रूप में व्यवह्मत होते हैं पर मूल रूप से ये अविवाहित युवकों और युवतियों के लिए ही होते है। शरद चन्द्र राय ने धुमकुरिया (उरांव जनजाति) और वेरियर एल्विन ने घोटुल (मुरिया और गोंड जनजाति) का विशेष अध्ययन किया और इनकी व्यापक विवेचना की।

- **संयुक्त युवा गृह-**

यह उल्लेखनीय है कि विभिन्न जनजातियों में इसकी एक जैसी व्यवस्था नहीं थी (बी.बी.कुमार 2005)। अनेक जनजातियों में युवकों और युवतियों के लिए अलग अलग युवा गृह बनाये गये पर मुरिया (बस्तर) और गोंड जनजाति (मध्यप्रदेश)में संयुक्त युवा गृह की व्यवस्था की गई जिसे घोटुल कहा गया। अपनी प्रख्यात रचना द मुरिया एंड देयर घोटुल (1947,ऑक्सफोर्ड) में वेरियर एल्विन नें घोटुल में यौन जीवन (सेक्सुअल लाइफ) की विस्तृत जानकारी दी और लिखा है कि सिनियर गर्ल्स ट्रेन द जुनियर ब्याज इन मैटरस ऑफ सेक्स एंड नो परमिशन इज निडेड फरोम लिडर्स फोर सेस्कसुअल इनटरकोर्स। उनका विश्वास है कि घोटुल लिंगो से सुरक्षित है इसलिए यौन सम्बन्धों से गर्भावस्था नहीं होगी। पर इन्द्रजीत सिंह ने अपनी रचना द गोंडवाना एंड द गोंड्स में घोटुल में किसी प्रकार के यौन सम्बन्धों के होने का खंडन किया था। डी.एन.मजुमदार और हट्टन ने भी इन्द्रजीत सिंह का समर्थन किया और स्पष्ट किया कि घोटुल सामाजिक शिक्षा के केन्द्र होते हैं। एडलटरी (परस्त्रीगमन) को व्यक्ति के लिए ही नहीं बल्कि पूरे समाज के लिए सामाजिक अपराध माना गया। यह भी उल्लेखनीय है कि घोटुल युवकों कोअपने यौन सम्बन्धों के लिए पार्टनर खोजने के लिए अवसर प्रदान करने के लिए प्रख्यात है। उन्हें यौन सम्बन्धों का प्रशिक्षण दिया जाता है(बी. एन.बोरडोलोई1988)। इसलिए वेरियर एल्विन का कहना है कि घोटुल के अधिकांश जोड़े कभी अलग नहीं होते। युवक-युवतियों को परिवार से दूर रखने की एक वजह यह भी है कि उनके माता-पिता के यौन जीवन में किसी प्रकार की खलल न पड़े और वे उन्हें यौन सम्बन्धों के समय नहीं देख सकें। पर यह ध्यान रखना आवश्यक है कि युवा गृह महज यौन सम्बन्धों के लिए नहीं होता बल्कि ये सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के केन्द्रीय स्थल होते हैं इसलिए युवक और युवतियों का युवा गृह से विशेष लगाव होता है और जिनमें सम्बन्ध स्थापित होता है वह स्थायी होता है। यह उल्लेखनीय है कि केवल अविवाहित युवक-युवितियों को ही इसका सदस्य बनाया जाता है और विवाह होने के बाद वे इसके सदस्य नहीं होते।(वी.आर.रेड्डी 1997)

- **सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक-**

यद्यपि विभिन्न जनजातियों में युवा गृह की अलग अलग व्यवस्था है पर इसकी मौलिक व्यवस्थाओं के आलोक में यह स्पष्ट है कि विभिन्न जनजातियों में युवा गृह सांस्कृतिक विरासत का ऐतिहासिक प्रतीक है। यह जनजातियों की अपनी अलग पहचान से ही नहीं बल्कि उनके चतुर्दिक विकास से भी जुड़ा है और उनकी जमीनी समस्याओं के निराकरण के लिए जरूरी है क्योंकि युवा गृह का मुख्य लक्ष्य इसकी शिक्षा द्वारा इसके सदस्यों को शिक्षित करना होता है। इसमें उपलब्ध सदस्यों के लिए जीवन साथी चुनने का समान अधिकार,इसके सदस्यों के शारीरिक और मानसिक विकास पर जोर और सभी सदस्यों को समान अधिकार आदि इसकी मुख्य विशिष्टाएं हैं। इसकी एक अन्य विशिष्टता यह है कि जनजातीय युवकों को सामाजिक-सांस्कृतिक,धार्मिक,आर्थिक और राजनीतिक गतिविधियों से सम्बन्धित प्रशिक्षण देने के लिए युवा गृह एकमात्र देशज संस्था है।इस आलोक में जनजातियों के लिए इसकी ऐतिहासिक महत्ता स्पष्ट है इसलिए इसे बनाये रखना आवश्यक है।युवा गृहों के अधिकतर गांव के बाहर बनाये जाने से इसका एक बड़ा फायदा यह है कि गांव में बाहर से आने-जाने और गांव के लोगों की गतिविधियों पर नजर रखना सम्भव होता है। इससे गांव के अमन-चैन और विकास में किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न नहीं होती ।हालांकि आधुनिक शिक्षा,हिन्दुओं से सांस्कृतिक सम्बन्ध, जनजातीय इलाकों में ईसाई धर्म का प्रचार-प्रचार,शहरी जीवन के प्रति विशेष आकर्षण,यौन सम्बन्धों के मामले में बदनामी आदि के कारण इस सांस्कृतिक विरासत की छवि धूमिल होने लगी पर कई जनजातियों में युवा गृह सामाजिक-सांस्कृतिक संस्था के रूप में आज भी प्रचलित है और उनकी परम्परागत सामाजिक व्यवस्था का अभिन्न अंग है।

(कामर्स एंड मैनेजमेंट विभाग,एस.बी.यू,महिलांग,रांची में सहायक प्रोफेसर डा.चौहान, स्टडी एंड रिसर्च सेंटर के स्कॉलर मेम्बर और इतिहासकार डा.वर्मा,स्टडी एंड रिसर्च सेंटर,चांदमारी रोड,उत्तरपल्ली, रामपुरहाट- 731224 (वीरभूम) पश्चिम बंगाल के संस्थापक निदेशक हैं।)

संक्षिप्त समाचार

गाली गलौज करते हुए रंगदारी स्वरूप व सरकारी काम बाधित

सारवां/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। थाना क्षेत्र के स्वास्थ्य केंद्र सारवां के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ब्रजकिशोर सिन्हा ने बताया कि दिनांक 08.अक्टूबर.2022 को रात के करीब मैं अपने अस्पताल में ड्यूटी पर था और मरीज का इलाज कर रहा था। इस दौरान सुमन यादव, उम्र करीब 28 वर्ष पिता दिलीप यादव, सोनू यादव उम्र करीब 22 वर्ष पिता चंद्रकांत यादव दोनों का साकिन ऊपर जमनी थाना सारवाँ जिला देवघर अजीत कुमार उम्र करीब 32 वर्ष ग्राम टूहीयो थाना सारवां जिला देवघर अस्पताल में तीनों व्यक्ति घुस गया। गाली गलौज करते हुए रंगदारी स्वरूप पैसों की मांग करने लगा। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ब्रजकिशोर ने पूछा आप लोग ऐसे क्यों कर रहे हो तो सुमन यादव के द्वारा बताया कि अगर प्रभारी के रूप में यहां रहना है तो रंगदारी देना होगा। चिकित्सा प्रभारी कई बार हाथ जोड़कर अनुरोध किया परंतु वे लोग फिर भी नहीं माने और गाली गलौज करते रहे इससे सभी अस्पताल के कर्मी भयभीत हो गया। इस दौरान सारवां अस्पताल में घायल व्यक्ति नंदू यादव जो नारंगी के रहने वाले थे इसके इलाज में विलंब हुआ और मजबूरन उसे देवघर सदर अस्पताल रेफर कर दिया तीनों व्यक्ति के कारण अस्पताल का सरकारी काम बाधित रहा थोड़ी देर बाद पुलिस को फोन किया गया पुलिस बल को आते देखते ही वे तीनों अस्पताल से भाग गया। सारवां थाना में न्याय की गुहार लगाते हुए एफ आई आर दर्ज कराया गया।

प्रखंड के चिकनाडीह पंचायत में संपन्न हुआ कार्यक्रम आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार

देवरी/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। झारखंड सरकार द्वारा चलाई जा रही कार्यक्रम आपकी सरकार आपकी योजना आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को डीपीआरओ शिवशंकर प्रसाद, देवरी प्र-खंड विकास पदाधिकारी इंद्रलाल ओहदार और अंचल अधिकारी राजमोहन तुरी के नेतृत्व में यह कार्यक्रम शांति पूर्वक संपन्न हुआ।जिसमे लोगों ने प्रधानमंत्री आवास के लिए 100 आवेदन ,अंचल विभाग में ऑनलाइन रसीद के लिए 3 एवं दाखिल खारिज के लिए भी 3 आवेदन,मनरेगा में दीदी बाड़ी योजना के लिए 5 और जॉब कार्ड के लिए 5 आवेदन,पेंशन के लिए 24 आवेदन,सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के लिए दर्जनों आवेदन,केसीसी के लिए 3 आवेदन,खाद्य आपूर्ति विभाग में 10 आवेदन प्राप्त किया गया जिसका निष्पादन कर दिया गया।पशुपालन विभाग में कुल 152 आवेदन दिया गया । वहीं कोविड19 का टीका 14 लोगों को लगाया गया।मौके पर उक्त पंचायत के मुखिया गीता देवी समेत प्रखंड एवं अंचल के सभी कर्मी मौजूद थे।

आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के माध्यम से आमजनों को हो रहा है लाभ, ऑन द स्पॉट हो रहा निष्पादन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गिरिडीह। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी कार्यक्रम आपकी अधिकार आपकी सरकार आपके द्वार के माध्यम से सरकार व प्रशासन वैसे स्थानों पर पहुंच रही है, जहां के लोग सरकार की योजनाओं एवं सुविधाओं से वंचित है। राज्य सरकार व जिला प्रशासन की सक्रिय प्रयासों से जिले के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। साथ ही उनके बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया जा रहा है। सरकार व प्रशासन का उद्देश्य है कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति को मिले। जिससे कि समाज के साथ-साथ जिले व समस्त राज्य का विकास सुनिश्चित हो सके। सभी के सराहनीय प्रयासों से इस कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित कराया जा रहा है। पंचायत स्तरीय आयोजित शिविरों में प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा शिविर में पहुंच रहे लाभुकों की शिकायतों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया जा रहा है। साथ ही उन्हें योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले की वंचित लाभुकों को केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है साथ ही साथ उन्हें इन योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। ताकि ग्रामीणों को भविष्य में योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार का दिक्कत का सामना ना करना पड़े। इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार व प्रशासन का उद्देश्य सार्थक हो रहा है। इसके अलावा महिलाओं के उत्थान के लिए राज्य सरकार की कई कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ उन्हें लाभान्वित करने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे कि वो स्वरोजगार की ओर अग्रसर हो कर समाज में एक सशक्त व आत्मनिर्भर महिला के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर सके। इस कार्यक्रम के माध्यम से फूलों झानों आशीर्वाद योजना का बड़े पैमाने पर प्रचार प्रसार सुनिश्चित कराया जा रहा है। ताकि महिलाओं के विकास में हर उचित प्रयास किया जा सकें। इस योजना के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को बिना ब्याज के रू 10000 की राशि उपलब्ध कराई जा रही है ताकि महिलाएं इस योजना से लाभान्वित होकर खुद की व्यवसाय से जुड़े सके और समाज में अपनी पहचान स्थापित कर सकें।

पंचायत स्तरीय आयोजित शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। इसी क्रम में पंचायत स्तरीय आयोजित शिविरों में बड़ी संख्या में किशोरियों को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ, लाभुकों को मनरेगा के तहत जॉब कार्ड, राशन कार्ड तथा अन्य लाभुकों के बीच कंबल वितरण तथा अन्य परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। साथ ही साथ कार्यक्रम में आने वाले सभी लाभुकों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। सभी लाभुकों ने ऑन द स्पॉट योजनाओं का लाभ मिलने पर सरकार व प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

जिले के सभी प्रखण्डों के विभिन्न पंचायतों में आपके अधिकार आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों द्वा-रा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए गए थे तथा कार्यक्रम में आने वाले ग्रामीणों को सरकार की योजनाओं की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। इसी क्रम में आज गिरिडीह जिले के सभी प्रखंडों के विभिन्न पंचायतों में आयोजित शिविर का निरीक्षण सम्बन्धित प्रखण्ड के वरीय पदाधिकारियों द्वारा किया गया। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल के माध्यम से आम नागरिकों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गयी। साथ ही उनकी शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित निष्पादन किया गया। इसके अतिरिक्त जिला एवं प्रखंड स्तर पर लोगों की शिकायतों एवं समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है।

सावित्री बाई फुले योजना को लेकर प्रधानाचार्य के साथ बैठक आयोजित

मधुपुर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सरकार की महत्वपूर्ण योजना सावित्रीबाई फुले समृद्धि किशोरी योजना को लेकर मधुपुर प्रखंड कार्यालय स्थित बीआरसी कार्यालय सभागार में बीपीओ उदय शंकर राय की अध्यक्षता में प्रखंड क्षेत्र के सभी विद्यालय के प्रधान चार्य के साथ एक बैठक की गई! बैठक में बाल विकास परियोजना मधुपुर के पर्यवेक्षिका प्रियंका कुमारी उपस्थित रहे! बैठक में उपस्थित प्रधानाचार्य को निर्देशित किया गया कि सरकार की महत्वपूर्ण योजना का लाभ विद्यालय में नामांकित छात्रा तक पहुंचाने और दिलाने के लिए विद्यालय में कक्षा 8. 9 .10 .11. और 12 के साथ 18 से 19 वर्ष बच्चियों को दिया जाएगा इसके लिए सभी प्रधानाचार्य ऐसे छात्रा को चिन्हित कर उनका फॉर्म कलेक्ट करें और कार्यालय में जमा करें ताकि सरकार की अच्छी मंसूबा के योजनाओं का फायदा इन छात्रों तक पहुंच सके!

*इस मौके पर बीपीओ उदय शंकर राय ने बताया कि सरकार की तरफ से करीब 2000 फॉर्म उपलब्ध कराया गया है जिसको लेकर आज सभी प्र-खंड के विद्यालय के प्रधानाचार्य के साथ बैठक रखी गई थी जहां सभी को सावित्रीबाई फुले समृद्धि योजना की फॉर्म वितरण किया गया और निर्देश दिया गया कि सरकार की महत्वपूर्ण योजना का लाभ विद्यालय में नामांकित छात्रों को चिन्हित कर इस योजना की लाभ पहुंचाया जाए उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ कक्षा 8. 9. 10 .11. 12. के छात्रा को दिया जाएगा साथ में 18 वर्ष से 20 वर्ष की बच्ची को भी इस योजना की लाभ उपलब्ध कराया जाएगा इसको लेकर आज सभी विद्यालय के प्रधानाचार्य को निर्देश दिया गया है! मौके पर पर्यवेक्षिका प्रियंका कुमारी ने बताया की सरकार की इस योजना की खास वजह है महिलाओं को सशक्तिकरण ,शिक्षा पर जोर, बाल विवाह पर रोक और महिलाओं को आगे बढ़ाने का उद्देश्य है!

के. एन. बक्शी कॉलेज ऑफ एजुकेशन करमाटांड़, बेंगाबाद, के छात्र छात्राओं ने लहराया परचम

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

बेंगाबाद। के. एन. बक्शी कॉलेज ऑफ एजुकेशन करमाटांड़, बेंगाबाद, गिरिडीह के डी एल एड सत्र 2019-21 के छात्र छात्राओं का परीक्षा परिणाम 13 अक्टूबर 2022(गुरुवार) को प्रकाशित हुआ। जिसमें शत प्रतिशत छात्र -छात्राओं ने प्रथम श्रेणी से सफलता प्राप्त की है। सर्वाधिक अंक प्राप्त करने में कृति शर्मा ने 1206 अंक 86.14%प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे गिरिडीह जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है, द्वितीय स्थान में निशु कुमारी, एवं तृतीय स्थान में कुमारी स्वाति ने स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रौशन किया है। विदित हो कि पिछले सत्र से ही सत्र-2016-18, सत्र -2017-19, सत्र-2018-20 से लगातार इस महाविद्यालय के छात्राओं ने पूरे जिले में टॉप करते आ रहीं हैं । सभी छात्रों में 33 ऐसे छात्र हैं जिनका 80% से भी अधिक अंक प्राप्त किए है। 51 ऐसे छात्र हैं जिन्होंने 75% प्रतिशत से अधिकतम अंक प्राप्त किया है । महाविद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने में पवन कुमार वर्मा ने 1189 अंक 84.92% प्रतिशत , काजल कुमारी ने 1187अंक 84.78% प्रतिशत बिनोद चौधरी ने 1166 अंक 83.28% प्रतिशत अंक प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम अपने क्षेत्र में काफी रौशन किया है ' इस शानदार परीक्षाफल से पूरे महाविद्यालय में खुशी का माहौल है। ज्ञात हो कि इस महाविद्यालय को सन 2016 में डी एल एड की मान्यता मिली थी और महाविद्यालय का यह चतुर्थ सत्र था।इस सफलता के अवसर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, गिरिडीह ने दूरभाष द्वारा बधाई दी है ।ऐसे मौके पर महाविद्यालय के वाईस चेयरमेन श्री मान शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि इस सफलता के पीछे महाविद्यालय के सभी शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का हाथ है , जो अच्छे परिणाम में बदल सका, साथ ही सभी सफल छात्र -छात्राओं को आगामी भविष्य के लिये बधाई दिया है इस अवसर पर महाविद्यालय के सचिव श्री रणविजय शंकर ने सभी छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है ।उप प्राचार्य डॉ अजित कुमार सिंह ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि आगे भी आपलोग पू-रे भारतवर्ष के नाम रौशन करें और एक सफल शिक्षक बनें। प्रो विनोद कुमार सुमन ने सभी छात्रों को मंगल कामना एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अब से आपकी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ गया है, जहां से आप एक सफल समाज की नींव रखने में आप सभी की भागीदारी सर्वाधिक होगी । प्रो नूतन शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि यह बहुत ही गर्व की बात है कि हमारे संस्थान से लगातार चार वर्षों से टॉपर में छात्राएं आ रही है। प्रो पवन कुमार सुमन ने सभी छात्र छात्राओं को एक सफल शिक्षक शिक्षिका बने एवं देश को आगे बढ़ाने में सर्वाधिक योगदान दें जिसकी कामना की है। प्रो निलेश लकड़ा ने कहा कि इस सत्र के सभी प्रशिक्षुओं के अहम योगदान से यह सफलता मिली है।इस शुभ अवसर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर कृति शर्मा ने कहा कि मेरी इस सफलता के पीछे महाविद्यालय के सारे शिक्षकों और मेरे माता पिता को जाता है द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा निशु कुमारी ने कहा कि इस योगदान का सारा श्रेय यहां के सभी शिक्षकों और मेरे माता पिता को जाता है।तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा कुमारी स्वाति ने महाविद्यालय के सभी शिक्षकों के साथ साथ अपने माता-पिता और पति को दिया है 'इस अवसर महाविद्यालय में हर्ष का माहौल है।

एम्स में लगने वाली भीड़ में हो रही है बेतहाशा वृद्धि

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवीपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान देवीपुर में मरीजों की संख्या में बेतहासा वृद्धि हो रही है।खासकर गिरीडीह धनबाद, जमुई, बांका, कोरिया, चांदन, चकाई, दुमका,देवघर, भागलपुर, जामताड़ा, गोड्डा,पाकुड़,साहेबगंज से भारी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं।ऑन लाइन 100 नये मरीज, 200 पुराने मरीज 300 को डाक्टरों द्वारा देखा जा रहा है। इसके लिए सड़क पर लगने वाला लाईन बंद होकर कैंपस के अन्दर आ गया है।इसके लिए बैरिकेंटिंग की गई है।सुबह छः बजे गेट खुलता है।सुबह का टोकन लेने के लिए लोग शाम सात बजे से लाईन में नंबर लगाने के लिए खड़े नजर आते हैं।रिविजिट वाले पुराने मरीज सुबह तीन बजे से लाईन में खड़े हो जाते हैं। शुक्रवार को नये और पुराने पांच सौ मरीज लौटकर वापस चले गये।लोगों ने निदेशक डा०सौरभ वार्ष्णेय से 1000 मरीजों को देखने की व्यवस्था करने,ऑपरेशन आरंभ करने,हॉस्पिटल में भर्ती लेने,नाईट शेल्टर में रात को मरीजों के ठहरने की व्यवस्था करने की मांग की है।हॉस्पिटल का भवन निर्माण पूरा हो जाने पर 24 घंटे मरीजों के लिए सेवा प्रदान की जायेगी।वर्तमान में आयुष भवन में ओपीडी चल रहा है।जगह कम है लेकिन मरीजों की संख्या ज्यादा है।जबकि एम्स में डाक्टर 100 डाक्टर मौजूद हैं।मरीजों के साथ ही डाक्टर सह प्रोफेसर 100 मेडिकल स्टूडेंट्स को अलग अलग चार सेसन के लिए पढाते हैं।प्रथम वर्ष के स्टूडेंट्स रोटेट होकर चार वर्ष तक पढाई कर मेडिकल का डिग्री प्राप्त करते हैं।वहीं 60 की संख्या में नर्सिंग की पढाई होती है।भवन जो अब तक तैयार हुआ है।जिसमें आयुष भवन,नाईट सेल्टर, डायरेक्टर ब्लिडिंग, एकेडमिक ब्लिडिंग, मेडिकल कॉलेज, छात्रावास,टाईप थ्री और टाईप फोर ब्लिडिंग, पीजी एमएच,ब्वायज हॉस्टल वन तैयार हो गया है।अब 750 बेड का हॉस्पिटल दिसंबर तक तैयार हो जाने की संभावना है।कुछ ही दिनों बाद एम्स हॉस्पिटल सुचारू रूप से काम करने लगेगा,तब मरीज बिना इलाज करायें लौट कर नहीं जायेंगे।

ईद ए मिलाद उन नबी कार्यक्रम सह रजत जयंती समारोह को लेकर की गई बैठक

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गोड्डा। आज अबुल कलाम आजाद जी के आवास पर तुफैल खान की अध्यक्षता में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक फाउंडेशन की बैठक आयोजित की गई। संस्था के मीडिया प्रभारी प्रीतम गाड़िया ने बताया कि ईद ए मिलाद उन नबी के अवसर पर 25वा जिला स्तरीय भाषण, क्वीज, नातियां कलाम प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 16 10 को दिन रविवार टाउन हॉल में किया जाना है ।जिसमें बतौर मुख्य अतिथि गोड्डा उपायुक्त जनाब जीशान कमर एवं विशिष्ट अतिथि श्री नाथू सिंह मीणा पुलिस अधीक्षक होंगे। कार्यक्रम में 10 से 14 वर्ष तक के छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे जिसमें जिला स्तरीय तकरीर नातिया कलाम एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को संस्था पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करती है। कार्यक्रम की शुरुआत हिंदी अंग्रेजी उर्दू और संथाली भाषा में कुरान पाठ से किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक अजीत कुमार सहाय एवं दिलीप कुमार तिवारी कार्यक्रम को सुसज्जित करने मैं तन मन से लगे हुए हैं। संस्थान के सचिव अबुल कलाम आजाद ने बताया कि,इस तरह का कार्यक्रम पूर्वोत्तर राज्यों में केवल गोड्डा में ही देखने को मिलता है। और यह कार्यक्रम संस्थान लगातार 25 वर्षों से कर रही है, और इस वर्ष रजत जयंती वर्ष बड़े धूमधाम से मना रही है। जिसमें सभी गोड्डा वासियों को आने का न्योता दे रही है ।इस कार्यक्रम में सभी सरकारी गैर सरकारी मिशनरीज मदरसा के बच्चे बच्चियां भाग लेते हैं आप मीडिया कर्मी भी इस में सादर आमंत्रित हैं। आज की बैठक में अब्दुस सलाम, जावेद अख्तर, मोहम्मद असलम, मोहम्मद जियाद आलम, अरशद आलम, जय किशोर ठाकुर, नजमुल होदा, मोहम्मद मुजाहिद, रमन कुमार मिश्रा, फिरोज आलम, अख्तर हुसैन, मनोवर रिजवी, इम्तियाज अहमद, विकास कुमार, आशुतोष तिवारी, मोहम्मद जब्बार, मोहम्मद सुफियान, अर्श आजाद, लडडू इत्यादि उपस्थित थे।

दरंगा पंचायत में आयोजित हुआ आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

देवीपुर। झारखंड राज्य सरकार के आदेश के आलोक में देवघर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर देवीपुर बीडीओ अभय कुमार ने प्रथम चरण में दूसरे दिन शुक्रवार को प्रखंड के दरंगा पंचायत मुख्यालय में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया । जिसका उद्घाटन प्रमुख प्रमिला देवी,उपप्रमुख मिथिलेश यादव,प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष जुलेश मरांडी,प्रखंड 20 सूत्री उपाध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि तेजनारायण वर्मा, कल्याण पदाधिकारी दयानंद दूबे, बीडीओ अभय कुमार सीओ सुनील कुमार, जिप सदस्य लक्ष्मी देवी, 20 सूत्री उपाध्यक्ष तेजनारायण वर्मा, मुखिया पुनम देवी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में 18 विभागों मनरेगा, पन्द्रहवीं वित्त योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, विद्युत विभाग, बाल विकास विभाग, एनआरएलएम, शिक्षा विभाग स्वास्थ्य विभाग, पीएम आवास, ईश्रम पोर्टल, आपूर्ति विभाग, कल्याण विभाग मुख्यमंत्री रोजगार ऋण, भू-राजस्व विभाग, हेल्प डेस्क आदि के अलग-अलग स्टॉल लगाये गये थे। जिसमें लगभग लाखों रूपए का परिसम्पत्तियों का वितरण किया गया। 10 लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन, जेएसएलपीएस विभाग द्वारा हड़िया दारू बेचने वाली 4 महिलाओं के बीच फूलो झानो आशीर्वाद योजना के तहत दस दस हजार रूपए का वितरण किया गया।रिवाल्विंग फंड के रूप में 5 लाख 70 हजार रूपए, सीआईएफ के लिए 350 लाभुकों के बीच 14 लाख 75 हजार रुपए, 28 किसानों को केसीसी ऋण कुल 14 लाख रूपए, 12 लाभुकों के बीच धोती साड़ी का वितरण किया गया।

मौके पर पंचायत समिति सदस्य झारखंडी प्रसाद यादव, सीडीपीओ सोनियां मंजूल,जिप सदस्य प्रतिनिधि मुकेश यादव, प्रमुख प्रतिनिधि नीलम यादव, मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप कुमार मंडल,सीडीपीओ सोनिया मंजूल, जेएसएस रविशंकर पासवान, बीपीओ विवेक कुमार, एनआरएलएम के प्रखंड कार्यक्रम समन्वयक विधुशेखर झा,बीएओ पंचायत सचिव पंकज कुमार, सहायक अभियंता मुकेश कुमार, कनीय अभियंता लालू कुमार वर्मा, पंचायत सचिव पंकज कुमार आदि कई पंचायत सचिव व रोजगार सेवक समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

पालोजोरी बीडीओ ने कार्यक्रम का शुभारंभ कर

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

पालोजोरी। शुक्रवार को पालोजोरी प्रखंड क्षेत्र के दुधानी पंचायत मुख्यालय के प्रांगण में आयोजित सरकार के निर्देशानुसार आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का दुधानी पंचायत में शुभारंभ किया गया। वहीं इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रखंड विकास पदाधिकारी शिवाजी भगत द्वारा फीता काट कर कर व दीप प्रज्वलित करके विधिवत रूप से किया गया है। वहीं प्रखंड स्तर के सभी प्रतिनियुक्त पदाधिकारीगण के द्वारा अपने विभाग से संबंधित जानकारी ग्रामीणों को संबोधित करके दिया गया है। जबकि ग्रामीणों के बीच सरकार के विभिन्न योजनाओं को लेकर एक नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक करते हुए देखने को मिला। साथ ही विभिन्न विभागों के परिसंपत्तियों का वितरण किया गया है जिसमें केसीसी ऋण जैसे योजनाओं को लेकर करीब आठ लोगों के बीच 3,48,000 के स्वीकृत ऋण प्रदान करने का कार्य किया गया। साथ ही वहीं पैंशन स्वीकृति पत्र, मनरेगा जॉब कार्ड, जेएसएलपीएस द्वार सखी मंडल की दीदीयों को फूलो झानो लोन स्वीकृति एवं ई श्रम कार्ड आदि का वितरण किया गया है। वहीं मौके पर मुखिया नगमा बेगम, हेलेना हेंब्रम, रौशनी ऋतु मुर्मू, पूनम कुमारी, धीरज कुमार, राजेश कुमार, ग्राम रोजगार सेवक नईम अंसारी, पंचायत समिति सदस्य सगीर मियां, कोऑर्डिनेटर जयकार गिरि, ऑपरेटर रजत पौद्दार, लेखापाल सन्नी कुमार,सहित अन्य सैंकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

सपादकाय

अंत्योदय के लिए अन्न योजना

कोरोना महामारी के दौरान शुरू हुई प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना को विगत माह केंद्र सरकार ने आगामी तीन माह के लिए बढ़ा दिया था। अंत्योदय के हित में यह महत्वपूर्ण निर्णय था। संभव है कि केंद्र सरकार इस योजना को और आगे बढ़ा दे। यह बहुत ही खेदजनक है कि कुछ नेताओं ने 'मुफ्त के रेवड़ी' प्रकरण में इस कल्याणकारी योजना को भी घसीटने का काम किया। चुनावी लाभ के लिए घोषित की जानेवाली 'मुफ्त की रेवड़ी' योजनाओं की तुलना आपात स्थिति में गरीबों के लिए शुरू हुई इस योजना से करना न केवल बेमानी है अपितु यह सीधे तौर पर गरीबों के हितों पर कुठाराघात है। प्रत्येक सरकार का यह दायित्व है कि कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए। उसे दो वक्त की रोटी के लिए, संघर्ष न करना पड़े। भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य, यह सरकार की प्राथमिकता में होना ही चाहिए। बहरहाल, वर्तमान परिस्थितियों तो अंत्योदय के लिए इस योजना की आवश्यकता महती है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत गरीब परिवारों को प्रति व्यक्ति पांच किलो अनाज हर महीने मुफ्त दिया जाता है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के अंतर्गत आनेवाले लगभग 80 करोड़ लोग इस योजना के लाभार्थी हैं। आपात स्थिति में शुरू हुई यह योजना पहले चरण में तीन महीने के लिए ही थी क्योंकि उम्मीद थी कि हम जल्दी ही महामारी से बाहर निकल जायेंगे। लेकिन कोरोना का कहर लंबे समय तक जारी रहा। ऐसे में इस योजना की अवधि बढ़ायी जाती रही है, जो 30 सितंबर को समाप्त होने वाली थी। हालांकि सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनाएं चलायी गयी हैं और अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे पटरी पर लौटने लगी है, लेकिन अभी भी सब कुछ महामारी से पहले के स्तर तक नहीं पहुंच सका है। विभिन्न घरेलू और वैश्विक कारकों की वजह से कामकाज के अपेक्षित मौके नहीं बन पा रहे हैं तथा महंगाई भी बढ़ते है। इस स्थिति में अत्यंत गरीब वर्ग को अभी भी मदद की दरकार है। इसलिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को बढ़ाया जाना स्वागतयोग्य है। मुफ्त अनाज योजना में अब तक 1000 लाख टन से अधिक अनाज बांटा गया है तथा अब तक इस योजना का खर्च 3.40 लाख करोड़ रुपये के आसपास है। यद्यपि राजकोष पर दबाव की बात अपनी जगह सही है, पर इस योजना के विभिन्न पहलुओं पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। महामारी के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के हर वर्ग, विशेषकर गरीबों, को भरोसा दिलाया था कि सरकार उन्हें हर तरह से सहायता देने की कोशिश करेगी। जगत तथा उद्यमियों को वित्तीय राहत मिली और नियमों-कानूनों में भी आवश्यक संशोधन हुए। छोटे कारोबारियों और स्वरोजगार में लगे लोगों को भी बेहद आसान शर्तों पर कर्ज मुहैया कराने की कोशिश हुई। तात्कालिक राहत और दूरगामी परिणामों को देखते हुए इन उपायों की प्रशंसा की जाती रही है। अनाज योजना ने बड़ी आबादी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ महंगाई को कुछ हद तक नियंत्रित करने में भी योगदान दिया है। इसलिए भी अन्न योजना की प्रासंगिकता बनी हुई है। इस पर अनावश्यक राजनीति न करके, योजना की समयावधि बढ़ाने का स्वागत ही करना चाहिए।

अंत्योदय के हित में यह महत्वपूर्ण निर्णय था। संभव है कि केंद्र सरकार इस योजना को और आगे बढ़ा दे। यह बहुत ही खेदजनक है कि कुछ नेताओं ने 'मुफ्त के रेवड़ी' प्रकरण में इस कल्याणकारी योजना को भी घसीटने का काम किया। चुनावी लाभ के लिए घोषित की जानेवाली 'मुफ्त की रेवड़ी' योजनाओं की तुलना आपात स्थिति में गरीबों के लिए शुरू हुई इस योजना से करना न केवल बेमानी है अपितु यह सीधे तौर पर गरीबों के हितों पर कुठाराघात है।

अमृत कलश

आनंद और प्रेम से करें काम, तभी सिद्ध होगी काम की सार्थकता

बचपन से लेकर अब तक हमें यही बताया गया है कि खूब मेहनत से पढ़ाई करो। काम खूब मेहनत से करो। किसी ने भी हमें यह नहीं सिखाया कि पढ़ाई या काम आनंद और प्रेम के साथ करो। हर कोई यही कहता है- कठिन परिश्रम करो, मेहनत से पढ़ो। लोग हर काम कठिनता से करते हैं और जब जीवन कठिन हो जाता है तो शिकायत करते हैं। अहं की प्रकृति ही ऐसी है कि यह हर चीज को कठिनता से करना चाहता है। अहं इस बात को लेकर चिंतित नहीं रहता कि आप क्या कर रहे हैं। इसकी एक ही चिंता होती है कि किसी और से एक कदम आगे रहे, बस। जीवन जीने का यह बेहद दुखद तरीका है, लेकिन अहं की तो प्रकृति ही यही है। जब लोग हर चीज को कठिन परिश्रम से करते हैं तो यह उनके लिए संतुष्टि का साधन बन जाती है। अगर वे चीजों को आनंद के साथ करते हैं, तो उन्हें ऐसा लगता है जैसे उन्होंने कुछ किया ही नहीं है। क्या यह बड़ी बात नहीं है कि बहुत सारे काम करने के बाद भी आपको ऐसा लगे कि आपने कुछ किया ही नहीं है? ऐसा ही होना चाहिए। 24 घंटे काम करने के बाद भी अगर आपको लगता है कि आपने कुछ नहीं किया है, तो आप काम का भार अपने ऊपर लेकर नहीं चलते। आप एक बच्चे की तरह जीवन गुजारते हैं। अपनी क्षमताओं का अधिकतम इस्तेमाल करते हुए आगे बढ़ते हैं। अगर आप सभी कामों को अपने सिर पर लेकर चलेंगे, तो आपकी क्षमताओं का कभी भरपूर उपयोग नहीं हो सकेगा और आपको रक्तचाप, मधुमेह या अल्सर जैसे रोग हो जाएंगे। अगर आपके और आपके दिमाग के बीच, आपके और आपके शरीर के बीच, आपके और आपके आसपास की हर चीज के बीच एक खास दूरी है, तो वह आपको आजादी देती है कि आप जीवन के साथ जो भी करना चाहते हैं, वह कर सकते हैं, लेकिन जीवन आपको नहीं छुएगा। यह आपको किसी भी तरह से चोट नहीं पहुंचाएगा। तर्क से सोचेंगे तो आप इस निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं कि अगर आप इस तरह के हो जाते हैं तो आपके लिए दुनिया में रहना मुश्किल हो जाएगा, लेकिन सच्चाई यह नहीं है। एक स्तर पर आप अनछुए हैं, लेकिन दूसरे स्तर पर आपकी सहभागिता इतनी ज्यादा है कि हर चीज आपका हिस्सा बन जाती है। आप खुद को हर किसी के जीवन में शामिल कर सकते हैं, जैसे वह आपका अपना ही जीवन हो। जब तकलीफ और उलझन का डर नहीं होता, तो आप खुद को पूरी तरह से जीवन में झोंक सकते हैं और हर चीज में बिना किसी हिचकिचाहट के शामिल हो सकते हैं।

-सद्गुरु जग्गी वासुदेव

बोध कथा

गृहस्थी और भक्ति

ऐसा कहा जाता है कि अब्दुर्रहीम खानखाना अपनी जिज्ञासा दोहों के रूप में लिखकर गोस्वामी तुलसी दास जी के पास भेजा करते थे और गोस्वामी जी भी उसका उत्तर दोहों के रूप में ही लिखकर उनको भिजवा देते थे। अब्दुर्रहीम खानखाना के मन में जिज्ञासा हुई कि गृहस्थी और भक्ति एक साथ कैसे चल सकते हैं? खानखाना ने गोस्वामी तुलसीदास को अपने दूत के माध्यम से यह दोहा लिख भेजा : 'चलन चहत संसार की मिलन चहत करतार। दो घोड़े की अस्सवारी कैसे निभे सवार?' संदेश वाहक घुड़सवार चित्रकूट पहुंचा व गोस्वामीजी के चरणों में संदेश प्रस्तुत कर दिया। गोस्वामीजी ने अब्दुर्रहीम खानखाना के प्रश्न का उत्तर कुछ तरह लिख भेजा : 'चलन चलत संसार की हरि पर राखो टेक। तुलसी यूं निभ जाएंगे, दो घोड़े रथ एक॥' गोस्वामीजी का संदेश था कि गृहस्थ रहकर भी हरिभक्ति सहज की जा सकती है यदि आपको अपने हरि पर विश्वास हो और आपने ऐसा करने का दृढ़ निश्चय कर लिया हो तो।

विचार

वष 2020 म दश का कुल आबादा का लगभग 10 प्रातशत हिस्सा गराबा रखा क नाच जावन यापन कर रहा ह

विकसित देशों की तुलना में भारत में तेजी से कम हो रही है गरीबी

प्रहलाद सबनानी

भारत में आर्थिक विकास तो तेज गति से हो रहा है परंतु इन अर्थशास्त्रियों की नजर में भारत में मानव विकास में लगातार गिरावट आ रही है। यह एक सोचनीय विषय है। अभी हाल ही में संयुक्त राष्ट्र डेवलपमेंट प्रोग्राम ने मानव विकास सूचकांक (एचडीआर) प्रतिवेदन 2021-22 जारी किया है।एचडीआर की वैश्विक रैंकिंग में भारत 2020 में 130वें पायदान पर था और 2021 में 132वें पर आ गया है, ऐसा इस प्रतिवेदन में बताया गया है। मानव विकास सूचकांक का आंकलन जीने की औसत उम्र, पढ़ाई, और प्रति व्यक्ति आय के आधार पर किया जाता है। कोरोना महामारी के खंडकाल में भारत का इस सूचकांक में निचले स्तर पर आना कोई हैरान करने वाली बात नहीं होनी चाहिए। परंतु, वर्ष 2015 से वर्ष 2021 के बीच भारत को एचडीआर रैंकिंग में लगातार नीचे जाता हुआ दिखाया जा रहा है।

विकसित देशों के कुछ अर्थशास्त्रियों ने भारत के विरुद्ध जैसे एक अभियान ही चला रखा है और भारत के आर्थिक विकास को वे पचा नहीं पा रहे हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था ने अप्रेल-जून 2022 तिमाही में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल की है और वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत 8 प्रतिशत की विकास दर हासिल करने जा रहा है। इस प्रकार भारत न केवल आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था बन गया है बल्कि भारत आज विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन गया है। परंतु, फिर भी इन अर्थशास्त्रियों द्वारा मानव विकास सूचकांक में भारत को श्रीलंका से भी नीचे बताया जाना, आश्चर्य का विषय है। यह विरोधाभास इन अर्थशास्त्रियों को कहीं दिखाई नहीं दे रहा है, जबकि श्रीलंका की हालत तो जग जाहिर है एवं आर्थिक दृष्टि से भारत एवं श्रीलंका की तुलना ही नहीं की जा सकती है। आर्थिक विकास के साथ मानव विकास भी जुड़ा है। भारत में आर्थिक विकास तो तेज गति से हो रहा है परंतु इन अर्थशास्त्रियों की नजर में भारत में मानव विकास में लगातार गिरावट आ रही है। यह एक सोचनीय विषय है। अभी हाल ही में संयुक्त राष्ट्र डेवलपमेंट प्रोग्राम ने मानव विकास सूचकांक (एचडीआर) प्रतिवेदन 2021-22 जारी किया है। एचडीआर की वैश्विक रैंकिंग में भारत 2020 में 130वें पायदान पर था और 2021 में 132वें पर आ गया है, ऐसा इस प्रतिवेदन में बताया गया है। मानव विकास सूचकांक का आंकलन जीने की औसत उम्र, पढ़ाई, और प्रति व्यक्ति आय के आधार पर किया जाता है। कोरोना महामारी के खंडकाल में भारत का इस सूचकांक में निचले स्तर पर आना कोई हैरान करने वाली बात नहीं होनी चाहिए। परंतु, वर्ष 2015 से वर्ष 2021 के बीच भारत को एचडीआर रैंकिंग में लगातार नीचे जाता हुआ दिखाया जा रहा है। जबकि, इसी अवधि में चीन, श्रीलंका, बांग्लादेश, यूएई, भूटान और मालदीव जैसे देशों की रैंकिंग ऊपर जाती हुई दिखाई जा रही है। श्रीलंका, बांग्लादेश एवं मालदीव जैसे देशों की आर्थिक स्थिति के बारे आज हम अनभिज्ञ नहीं है। इसी प्रकार इन

अर्थशास्त्रियों द्वारा भारत में गरीबी की रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों की संख्या को भी बढ़ाचढ़ा कर पेश किया जा रहा है। इनके अनुसार, भारत के 23 करोड़ लोग प्रतिदिन 375 रुपए से भी कम कमाते हैं। भारत की जनसंख्या यदि 140 करोड़ मानी जाय तो देश की कुल जनसंख्या के 16.42 प्रतिशत नागरिक 375 रुपए से कम कमा रहे हैं, जबकि विश्व बैंक द्वारा हाल ही में इस सम्बंध में जारी किए गए आंकड़े कुछ और ही कहानी कह रहे हैं। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओ में आज भारत के ऊपर अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी आते है। अगर इन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गरीबी के आकंडें देखे तो कई चौकाने वाले खुलासे सामने आते है। सबसे पहले अगर अमेरिका की बात की जाय तो अमेरिका की कुल आबादी के 11.4 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। जबकि अमेरिका को विश्व का सबसे अमीर एवं विकसित देश माना जाता है। चीन के सम्बंध में तो कोई वास्तविक आंकड़े सामने आते ही नही है, अतः चीन की बात करना ठीक नहीं होगा। जर्मनी में भी स्थिति अमेरिका जैसी ही है। कुल आबादी में से 15.5 प्रतिशत नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने को मजबूर हैं। जापान के सम्बंध में वर्ष 2020 में आई एक खबर के अनुसार जापान में गरीबों की संख्या बढ़ रही है एवं मध्यमवर्गीय लोगों की संख्या कम हो रही है। जापान में 15.7 प्रतिशत नागरिक गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। यह भी एक चौकाने वाली बात है कि विश्व के सबसे अमीर देशों की सूची में अमेरिका में सबसे ज्यादा आत्महत्याएं होती है। जबकि विश्व की सबसे बड़ी उक्त चार अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत में सबसे कम आत्महत्याएं होती है। यह भी मानव विकास सूचनांक का एक अवयव है, परंतु मानव विकास सूचकांक में भारत की लगातार गिरती स्थिति ही दर्शाई जाती है।

अब भारत की बात करते हैं। भारत में वर्ष 1947 में 70 प्रतिशत लोग गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे थे, जबकि अब वर्ष 2020 में देश की कुल आबादी का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहा है। 1947 में देश की आबादी 35 करोड़ थी जो आज बढ़कर लगभग 136 करोड़ हो गई है। अभी हाल ही में विश्व बैंक ने एक पॉलिसी रिसर्च वर्किंग पेपर (शोध पत्र) जारी किया है। इस शोध पत्र के अनुसार वर्ष 2011 से 2019 के बीच भारत में गरीबों की संख्या में भारी गिरावट दर्ज की गई है। वर्ष 2011 में भारत में गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे व्यक्तियों की संख्या 22.5 प्रतिशत थी जो वर्ष 2019 में घटकर 10.2 प्रतिशत पर नीचे आ गई है अर्थात गरीबों की संख्या में 12.3 प्रतिशत की गिरावट दृष्टिगोचर है। अत्यंत चौंकाने वाला एक तथ्य यह भी उभरकर सामने आया है कि भारत के शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों की संख्या बहुत तेज गति से कम हुई है। जहां ग्रामीण इलाकों में गरीबों की संख्या वर्ष 2011 के 26.3 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2019 में 11.6 प्रतिशत पर आ गई है अर्थात यह 14.7 प्रतिशत से कम हुई है तो शहरी क्षेत्रों में यह संख्या 7.9 प्रतिशत से कम हुई है। उक्त शोधपत्र में एक अन्य महत्वपूर्ण तथ्य यह भी बताया गया है कि वर्ष 2015 से वर्ष 2019 के बीच गरीबों की संख्या अधिक तेजी से घटी है। वर्ष 2011 से वर्ष 2015 के दौरान गरीबों की संख्या 3.4 प्रतिशत से घटी है वहीं वर्ष 2015 से 2019 के दौरान यह 9.1 प्रतिशत से कम हुई है और यह वर्ष 2015 के 19.1 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2019 में 10 प्रतिशत पर नीचे आ गई है। वर्ष 2017 एवं वर्ष 2018 के दौरान तो गरीबी 3.2 प्रतिशत से कम हुई है यह कमी पिछले दो दशकों के दौरान सबसे तेज गति से गिरने की दर है। ग्रामीण इलाकों में छोटे जोत वाले किसानों की आय में वृद्धि तुलनात्मक रूप से अधिक अच्छी रही है जिसके कारण ग्रामीण इलाकों में गरीबों की संख्या वर्ष 2015 के 21.9 प्रतिशत से वर्ष 2019 में घटकर 11.6 प्रतिशत पर नीचे आ गई है, इस प्रकार इसमें 10.3 प्रतिशत की आकर्षक गिरावट दर्ज की गई है। उक्त शोधपत्र में यह भी बताया गया है कि बहुत छोटी जोत वाले किसानों की वास्तविक आय में 2013 और 2019 के बीच वार्षिक 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है वहीं अधिक बड़ी जोत वाले किसानों की वास्तविक आय में केवल 2 प्रतिशत की वृद्धि प्रतिवर्ष दर्ज हुई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष ने तो अपनी एक अन्य रिपोर्ट में भारत द्वारा कोरोना महामारी के दौरान लिए गए निर्णयों की सराहना करते हुए कहा है कि विशेष रूप से गरीबों को मुफ्त अनाज देने की योजना (प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना) को लागू किए जाने के चलते ही भारत में अत्यधिक गरीबी का स्तर इतना नीचे आ सका है और अब भारत में असमानता का स्तर पिछले 40 वर्षों के दौरान के सबसे निचले स्तर पर आ गया है। ज्ञातव्य हो कि भारत में मार्च 2020 में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) प्रारम्भ की गई थी।

ब्लॉग | श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या इस बात का प्रमाण है कि आध्यात्मिकता में हमारा विश्वास लगातार कायम

जीवन की सार्थकता

महत्वाकांक्षी होना गलत नहीं है, किसी भी चीज़ की अति होना गलत है। जब हम महत्वाकांक्षी हों और इस हद तक चले जाएं कि सारी संवेदनाएं, रिश्ते-नाते, दोस्तियां आदि भूल जाएं और सिर्फ अपनी स्वार्थ सिद्धि में लग जाएं तो हो सकता है कि कुछ देर के लिए हम सफल हो जाएं, ज्यादा लाभ कमा लें, लेकिन उससे कई महत्वपूर्ण रिश्ते टूट जाएंगे, शुभचिंतक साथ छोड़ देंगे और दूरगामी लाभ से वंचित हो जाएंगे क्योंकि तब हमारे साथियों में हमारी छवि ऐसी बन जाएगी कि अपने स्वार्थ के लिए हम किसी भी हद तक जा सकते हैं। ऐसे में हर रिश्ता सिर्फ स्वार्थ और जरूरत पर आधारित होगा और वह लंबे समय तक नहीं चलेगा। हमारी आयु समय से मापी जाती है । हमारा जीवन एक-एक क्षण जोडक़र बनता है। समय की बर्बादी जीवन की बर्बादी है।

भारतवर्ष आध्यात्मिक लोगों का देश है। यहां संतों-मुनियों की लंबी परंपरा रही है। आज भी संतों, महंतों, डेरों, गुरुओं और अन्य आध्यात्मिक लोगों की महत्ता बदस्तूर बनी हुई है और देश के मंदिरों, गुरुद्वारों, मस्जिदों और चर्चों में आने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या इस बात का प्रमाण है कि आध्यात्मिकता में हमारा विश्वास लगातार कायम है। इसके बावजूद आम आदमी जीवन के संघर्ष से जूझता प्रतीत होता है। गरीब और अमीर समान रूप से दुखी हैं। जो व्यक्ति हमें बहुत सुखी नजऱ आता है, उसके दुखों का पिटारा तब खुल जाता है जब हम उसके नज़दीक जाते हैं। यह कहावत सच ही है कि यदि सारी दुनिया के लोग किसी एक जगह पर इक_े हो जाएं और अपने-अपने दुख और तकलीफें सबके सामने रखें और सबको यह सुविधा हो कि वह अपने दुखों का पिटारा किसी और के दुखों के पिटारे से बदल ले तो हर व्यक्ति अंततः अपने दुखों और तकलीफों का पिटारा ही वापस लेना पसंद करेगा। इसका क्या मतलब है? मतलब यह है कि दुनिया में आज भी बहुत से दुख और बहुत सी तकलीफें हैं और सारी आध्यात्मिकता और इतने सारे धर्मों के बावजूद हम सुखी नहीं हैं। सवाल यह है कि आखिर जीवन की सार्थकता क्या है? हम क्या करें कि हमारा जीवन हंसी-खुशी से बीते? आखिरकार हमारे पास जीने के लिए केवल एक ही जीवन है। हमारी ऊर्जा सीमित है, शक्ति सीमित है, समय सीमित है, ऐसे में इस एक जीवन का भरपूर लाभ उठाने के लिए हम क्या करें? हम सब खुश रहना चाहते हैं और ऐसे काम करना चाहते हैं जिससे हमें प्रेम मिले, यश मिले और हमारे आसपास का वातावरण खुशगवार हो। हमारी यही इच्छा होती है कि हम अधिकाधिक मनचाहे काम कर सकें और जरूरी चीजें निपटा सकें। तो, सवाल उठता है कि हमारे लिए सार्थक क्या है? हम क्या करें और क्या छोड़ दें? जी हां, सुखी रहने के लिए यह समझना तो जरूरी है ही कि हम क्या करें, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी यह जानना है कि हम क्या छोड़ दें। वस्तुतः हमारी खुशियों का पिटारा यही जानने में छुपा है कि हम क्या छोड़ दें। यह स्पष्ट है कि हम कुछ भी कर लें, हम पूरे जीवन को समेट नहीं सकते। कई काम अधूरे रह ही जाएंगे। इसलिए यह समझना जरूरी है कि अनिवार्य क्या है और अपने भले के लिए हम क्या छोड़ दें। तो आइए, इसका विवेचन करते हैं। हमारे दुखों का बड़ा कारण यह है कि हमने अपने जीवन को बोझिल बना लिया है। आडंबर इतना बढ़ गया है कि वह खुद में एक परेशानी हो गया है। हम अमीर न हों तो भी अमीर दिखना चाहते हैं। अपने बच्चों के जन्मदिन पर भी हम उनके साथ बैठ कर समय बिताने के बजाय आर्चीज़ का कार्ड देने लग गए हैं। घर में फर्नीचर का दिखावा, कपड़ों का दिखावा, गाड़ी का दिखावा, उपहारों का दिखावा आदि कितने ही रोग पाल लिए हैं हमने। अमीरों की नकल करके हम और दुखी हो रहे हैं। यदि आपके पास साधन हैं, अगर ऐसे खर्च करना आपके बूते में है तो खुशी की बात है, पैसा है तो उसका आनंद लेना ही चाहिए, पर जहां पैसा सीमित है तो उसे दिखावों पर खर्च करने के बजाय अनिवार्य आवश्यकताओं के लिए उपयोग करना ज्यादा हितकर है। गरीबी के दौर में भी मन की खुशी के लिए कभी-कभार मनोरंजन पर खर्च करना बुरा नहीं है, पर उसकी अति नहीं होनी चाहिए, वैसे ही जैसे कंजूसी की अति नहीं होनी चाहिए। जीवन सांप-सीढ़ी का खेल है। कभी हम जीतते हैं तो कभी हमारी सारी सावधानियों और सारे प्रयत्नों के बावजूद कोई और बाजी मार ले जाता है। हम हमेशा ही जीतते या हारते नहीं रह सकते। ऐसे में अपनी हर हार पर यदि हम असंतुष्ट हो जाएं, खुद को गलत मान लें, साथियों अथवा परिवार के सदस्यों की नुक्ताचीनी करने लगें, तो हम हार के दुख से तो दुखी होंगे ही, उसके अलावा आपस में बहस बढ़ाकर हम कई नए दुखों को भी आमंत्रित करेंगे। असंतोष और असंतोष से उपजी चिंता हमें घुन की तरह खाती है। अतः यह आवश्यक है कि दुखी होने के बजाय हम अपनी हार के कारणों का विश्लेषण करें और यह देखें कि उस हार को जीत में बदलने के लिए हम क्या कर सकते हैं या फिर उस हार से हुए नुकसान को कम करने के लिए क्या कर सकते हैं। जीवन के उतार-चढ़ाव जीवन की सच्चाइयां हैं। उन्हें समझने, उनका विश्लेषण करने, नई स्थितियों के अनुसार नई दिनचर्या तय करने में ही समझदारी है। इसमें कठिनाई तो होगी ही, जो अभाव बना है वह खलेगा भी, पर चूंकि उसे भरने का और कोई चारा नहीं है, इसलिए हमें उस अभाव के साथ ही जीना सीखना होगा। यही जीवन का सच है। इसी तरह कभी हमारे साथ कोई अन्याय हो जाता है या हमसे कोई भूल हो जाती है तो जीवन के उन कमजोर क्षणों में धीरज रखकर कुछ समय गुजर जाने देना सदैव श्रेयस्कर होता है। कुछ समय के बाद जब मन निर्मल हो जाए, अपमान की चोट या अपराध बोध कुछ कम हो जाए तो यह सोचना चाहिए कि जीवन को संवारने के लिए अब क्या किया जाए। अपने साथ अन्याय होने पर खुद को कमजोर और असहाय मान लेना गलत है। अपमान में जलते रहकर मन पर बोझ डाले रखने से कुछ नहीं होता। इसके बजाय खुद को शक्तिशाली बनाकर योजनाबद्ध तरीके से अन्याय का प्रतिकार करना ही एकमात्र उपाय है। यदि भूलवश कुछ कदाचार हो जाए तो अपराध बोध से भरकर पछताने के बजाय उस कदाचार को भुलाकर जीवन में सदाचार उतार लेना ही सही हल है। एक भूल से सीख लेकर किसी दूसरी भूल से दूर रहने में ही बुद्धिमानी है। हम हमेशा से यह पाठ पढ़ते आए हैं कि लालच बुरी बला है।

नागरिक बोध

अस्सी प्रतिशत आखों की बीमारियों का इलाज संभव

अंधेपन व दृष्टि संबंधी त्रुटियों को ठीक करने के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए प्रत्येक वर्ष अक्टूबर माह के दूसरे वृहस्पतिवार को मनाया जाता है। इस वर्ष यह 13 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। वास्तव में, लोगों की बढ़ती जीवन सीमा के साथ ही क्रोनिक अवस्थाओं के चलते दृष्टि संबंधी विकार होने का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। आंखें हमारे शरीर के झरोखे की तरह होती हैं, जिनसे हम बाहर की दुनिया को देख पाते हैं। स्वस्थ आंखे इंसान को समाज में स्वयं काम कर कमाने लायक बनाती हैं और सामाजिक आर्थिक दबाव को कम करने में मदद करती हैं। विश्व की बढ़ती जनसंख्या वृद्धावस्था की ओर बढ़ रही है और इसके साथ बढ़ रहा है अंधेपन का खतरा। आज प्रत्येक पांच नेत्रहीनों में से चार व्यक्तियों की नेत्रहीनता का इलाज संभव है इसलिए हमें इलाज की बेहतर पहुंच के जरिये ऐसी नेत्रहीनता दूर करने पर जोर देना चाहिए। इसके लिए खासकर बुजुर्गों और वृद्धों के बीच जागरूकता फैलाना वक्त की मांग है क्योंकि इस उम्र के लोग अपने शरीर के चेतावनीभरे लक्षणों की अनदेखी कर देते हैं और दृष्टिदोष से पीड़ित पूरी आबादी में 60 प्रतिशत ऐसे ही लोग होते हैं जिनकी उम्र 50 वर्ष से अधिक होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े भी बताते हैं कि विश्व के 4.5 करोड़ नेत्रहीनों में 80 प्रतिशत लोग 50 वर्ष की आयु पार कर चुके होते हैं। लिहाजा 50 वर्ष या इससे अधिक उम्र के लोगों को आंखों की संपूर्ण जांच कराने के लिए किसी नेत्र चिकित्सा विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए। आंखों से जुड़े ज्यादातर रोगों के कोई शुरुआती लक्षण या संकेत नजर नहीं आते हैं लेकिन संपूर्ण जांच कराने से उनकी दृष्टि कमजोर या क्षतिग्रस्त हो जाने से पहले ही उनके लक्षणों का पता चल सकता है। यदि आपको देखने में कोई दिक्कत महसूस हो रही है तो आंखों की समग्र जांच के लिए किसी नेत्र चिकित्सा विशेषज्ञ से संपर्क करें। मोतियाबिंद यह ढलती उम्र की समस्या होती है, जिसमें आंखों के लेंस पर धुंध छा जाती है और नजर धुंधली हो जाती है तथा इसे विश्व में 50 प्रतिशत नेत्रहीनता के लिए जिम्मेदार माना जाता है जबकि पूरी दुनिया में दृष्टिदोष के एक तिहाई मामले इसी वजह से होते हैं। पिछले कुछ वर्षों से मोतियाबिंद ऑपरेशन की टेक्नालॉजी में आए क्रांतिकारी बदलाव के कारण अब इसकी सर्जरी सुरक्षित, प्रभावशाली, इंजेक्शन रहित, रक्तस्राव रहित, टांकारहित हो गई है और सर्जरी के तुरंत बाद मरीज घर लौटते हुए शीघ्र स्वास्थ्यलाभ पा सकता है। लेजर की सहायता से पलक झपकते ही अत्याधुनिक मोतियाबिंद सर्जरी एक कामयाब पद्धति साबित हुई जिससे मोतियाबिंद सर्जरी ब्लेडरहित हो गई है। रिफ्रैक्टिव एरर -डब्ल्यूएचओ का आकलन है कि लगभग 1.5 करोड़ लोग अपवर्तक त्रुटियों (रिफ्रै क्टिव एरर) के कारण दृष्टिदोष के शिकार हैं।

देश दुनिया से

प्रदेश को अब बल्क ड्रग पार्क का तोहफा

बिलासपुर के ''लुहणू मैदान'' से अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने इस बात का विशेष उल्लेख किया कि हिमाचल जैसा छोटा पहाड़ी प्रदेश देश का एक मात्र ऐसा राज्य बन गया है, जिसे पहले ''मैडिकल डिवाइस पार्क'' व उसके बाद ''बल्क ड्रग पार्क'' की स्वीकृति मिली। हिमाचल के इतिहास में यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। कोई भी सरकार औद्योगिकरण को इस लिए बढ़ावा देती है कि इससे एक तो प्रदेश की आर्थिकी सुदृढ़ होती है तथा दूसरी ओर रोजग़ार के नए अवसरों का सृजन होता है। 2273 करोड़ रूपए की इन दोनों परियोजनाओं (350 करोड़ की मैडिकल डिवाइस परियोजना व 1923 करोड़ लागत की बल्क ड्रग पार्क परियोजना) के फलीभूत होने पर 55,000 करोड़ के संभावित निवेश का प्रदेश में अनुमान है, जो कि यहां के औद्योगिक निवेश के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ। लगभग 40,000 लोगों को इन में रोजग़ार के अवसर मिलने की संभावना है। प्रदेश के युवाओं को अपने ही राज्य में पहली बार इतना बड़ा अवसर रोजग़ार प्राप्त करने का मिलेगा। 100 करोड़ रुपया ''चिकित्सा उपकरण पार्क'' व 1000 करोड़ रुपया ''बल्क ड्रग पार्क'' को विकसित करने के लिए अनुदान के रूप में केन्द्र सरकार द्वारा दिया जाएगा। अपने सीमित संसाधनों के बावजूद प्रदेश सरकार ने भी यह मन बना लिया है कि इन दोनों महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय महत्व की परियोजनाओं को नियत समय के अंदर अमलीजामा पहनाया जाए, जिससे प्रदेश न केवल देश के औद्योगिक मानचित्र पर अपनी अलग पहचान बना सकेगा, अपितु ''आत्मनिर्भर भारत अभियान'' के अंतर्गत भी अपनी एक सशक्त भागीदारी निभा सकेगा। पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के गत 50 वर्षों में यदि अन्य राज्यों से निवेश आकर्षित करने में हिमाचल की तुलना करें तो हिमाचल का पलड़ा भारी बैठता है। ''बल्क ड्रग पार्क'' की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तय समय से पहले ही बनाकर प्रदेश सरकार ने केन्द्र को अंतिम मंजूरी के लिए भेज दी है। इस ''मैगा परियोजना'' के अंतर्गत कई सांझा सुविधाएं, यहां अपना उद्यम लगाने वाले उद्यमियों को प्राप्त होंगी जैसे- 300 टी.पी.एच. क्षमता का स्टीम प्लांट, 120 मैगावाट क्षमता की विद्युत आपूर्ति सुविधा, 15 एम.एल.डी. क्षमता की जलापूर्ति सुविधा, सौलवेंट एक्स्ट्रैक्शन संयंत्र, शून्य तरल स्त्राव (डिस्चार्ज) वाला 5 एम.एल.डी क्षमता का ''सांझा प्रवाह संयंत्र'' आदि। ''राज्य कार्यान्वयन अभिकरण'' द्वारा इस पार्क का निर्माण, कार्यान्वयन व रखरखाव किया जाएगा। इस पार्क में 6 ''मल्टी-फ्यूल बॉयलर'' प्रस्तावित हैं, जिनसे उद्यमियों की ताप के लिए वांछित भाप की आवश्यकता पूरी होगी व साथ ही 36 मैगावाट अतिरिक्त बिजली का उत्पादन भी होगा। दवा उद्योग निर्माण में प्रयोग होने वाले सक्रिय दवा घटक (ए.पी.आई.) की मांग को यह पार्क काफी हद तक पूरा करेगा। इस पार्क में स्थापित होने वाले उद्यमों की कुशल कामगारों की मांग को ध्यान में रखते हुए, परियोजना में एक ''सैंटर ऑफ एक्सीलेंस'' का भी प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त ''राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान'' का एक सैटेलाइट केन्द्र भी ''अनुसंधान व विकास के लिए यहां स्थापित किया जाएगा''। फार्मा जगत से जुड़े बड़े उद्यमों ने पहले ही इस प्रस्तावित ''बल्क ड्रग पार्क'' में अपना उद्यम स्थापित करने की रुचि दर्शाई है।

लगभग 40,000 लोगों को इन में रोजग़ार के अवसर मिलने की संभावना है। प्रदेश के युवाओं को अपने ही राज्य में पहली बार इतना बड़ा अवसर रोजग़ार प्राप्त करने का मिलेगा। 100 करोड़ रुपया ''चिकित्सा उपकरण पार्क'' व 1000 करोड़ रुपया ''बल्क ड्रग पार्क'' को विकसित करने के लिए अनुदान के रूप में केन्द्र सरकार द्वारा दिया जाएगा।

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027,स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित,
प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

...ताकि सब रहे तर-ताजा

अपने रैफ्रिजिरेटर में एक आलू अवश्य रखें। आलू फ्रिज में पकी सब्जियों की गंध एब्जार्ब कर लेता है और फ्रिज में बनने वाली गैसों को भी जिससे फ्रिज में रखी सब्जियां, फल अधिक समय तक ताजे बने रहते हैं। हर कुछ दिन में आलू को बदल दें।

मैट्रो शहरों में सभी अपने-अपने कार्यों में इतने व्यस्त रहते हैं कि प्रतिदिन ताजा सब्जी और फल खरीदने के लिए उनके पास समय ही नहीं होता। जीवन में व्यस्तता के कारण वे समय मिलेते ही अपने घर-बाहर के कार्यों को इकट्ठा निपटा देना चाहते हैं।

सामान तो इकट्ठा आ गया पर यदि उसे ढंग से संभाल कर न रखा जाए गया तो सामान बेकार तो जाएगा ही, इससे धन और समय दोनों की बर्बादी भी होगी। आइए जानों सब्जियों व फलों को कुछ समय के लिए किस प्रकार ताजा रख सकते हैं।

- सेबों को कभी भी किसी सब्जी या फल के साथ फ्रिज में न रखें। सेब से कुछ इस प्रकार की गैसें उत्सर्जित होती हैं जो अच्छे फल-सब्जियों को नुक्सान पहुंचाती हैं और उन्हें गला देती हैं।
- इसी प्रकार खीरे व ककड़ी के साथ टमाटर को स्टोर न करें। टमाटर भी कुछ गैसों को उत्सर्जित करते हैं जिनसे खीरा व ककड़ी जल्दी खराब हो जाते हैं।
- पनीर को फ्रिज में स्टोर करते समय एयरटाइट कंटेनर में कुछ चीनी के क्यूब भी रख दें ताकि वे पनीर की नमी को सोख सकें। इस प्रकार पनीर को ज्यादा दिनों तक आप ताजा रख सकते हैं।
- अंडों की नुकीली साइड सदा नीचे की तरफ रखें। अंडे ज्यादा दिन तक फ्रैश रहेंगे।
- अपने रैफ्रिजिरेटर में एक आलू अवश्य रखें। आलू फ्रिज में पकी सब्जियों की गंध एब्जार्ब कर लेता है और फ्रिज में बनने वाली गैसों को भी जिससे फ्रिज में रखी सब्जियांस फल अधिक मसय तक ताजे बने रहते हैं। हर कुछ दिन में आलू को बदल दें।
- मूली को कभी भी सीधे फ्रिज में न रखें। उसे किसी बर्तन में पानी भर कर रखें।
- सूजी, मैदा, ड्राईफ्रूट्स (बादाम, काजू, किशमिश) को एयरटाइट डिब्बे में फ्रिज के साइड पर रखें। इससे कीड़ा नहीं लगेगा।
- साबुत दालों को एयरटाइट डिब्बों में दवाइ डाल कर रखें ताकि उनमें कीड़ा न लगे।
- पकी हुई सब्जी को लम्बे समय तक फ्रिज में न रखें. उसे फ्रीजर में एयर टाइट कंटेनर में रखें। उसे फ्रीजर में एयर टाइट कंटेनर में रखें। बनी हुई सब्जी का प्रयोग 24 घंटों के भीतर लें तो अच्छा होता है।
- लहसुन, प्याज को छील कर एयर टाइट कंटेनर में फ्रिज में रख सकते हैं। लहसुन तो आप 10 से 15 दिन तक स्टोर कर सकते हैं, प्याज दो दिन तक।
- गूंथा हुआ आटा तेल या घी का हाथ लगा कर डिब्बे में ढक कर रख सकते हैं या गीला कपड़ा रख कर ऊपर ढक्कन लगा कर भी रख सकते हैं। दो दिन तक आटा काला भी नहीं पड़ेगा और खराब भी नहीं होगा।
- नींबू धो-पोंछ कर पॉलीथीन में पैक कर एक सप्ताह तक रख सकते हैं।

नटी खीर केक

खीर के लिए : 1 लीटर दूध, 1/4 कप चावल, 6 बड़े चम्मच चीनी, 1 बड़ा चम्मच पिस्ता, 1 बड़ा चम्मच बादाम, 1/4 केसर, 1/4 छोटा चम्मच इलायची पाऊडर, 1/4 कप कस्टर्ड पाऊडर और 1/2 कप ठंडा दूध।

विधि : दूध को 10 मिनट तक उबालें और चावल गाढ़ा होने तक पकाएं। इसमें बादाम, पिस्ता, इलायची पाऊडर और चीनी डालकर पकाएं। कस्टर्ड पाऊडर खीर में मिलाएं और लगातार चलाती रहें। केक के सांचों में डाल कर फ्रिज में जमने के लिए रखें। क्रीम को फैंटें और केक पर समान रूप से लगाएं। पिस्ता, बादाम और चेरी से सजा कर केक सैट होने के लिए रखें।

रहन-सहन और आप

एक समय था जब परिवार के सभी लोग एक छत के नीचे खुशी-खुशी रहते थे। उनके दुख-सुख एक होते थे। ज्यों-ज्यों संयुक्त परिवार टूट कर एकल परिवार में बंटते गए त्यों-त्यों समस्याएं भी उसी हिसाब से बढ़ती गई। एक छत के नीचे पूरे परिवार का रहना मुश्किल होता गया।

आधुनिक युग की देन महानगरी जीवन शैली में लोगों के लिए लिविंग स्पेस की कमी होती जा रही है। इस कमी को पूरा करने के लिए महानगरों में अपार्टमैंट्स या फ्लैट्स बनते जा रहे हैं। इन अर्पाटमैंट्स में रहने के तौर-तरीके आम तौर-तरीकों से एकदम हट कर हैं। अगर आप भी अपार्टमैंट में रहने जा रही हों तो ध्यान दीजिए कुछ विशेष बातों पर-

- अपार्टमैंट्स में रहने वाले पडोसियों के निजी जीवन में ताक-झांक न करें।
- पड़ोस में कभी पानी, बिजली या कोई अन्य समस्या होने पर दूसरों का सहयोग करें।
- पड़ोसियों से शिंचे-खिंचे न रहें, उनका सम्मान करें। उनकी भावनाओं की कद्र करें और उनकी प्राइवेसी का भी सम्मान करें।
- अपनी सुरक्षा के साथ-साथ पड़ोसी की सुरक्षा में भी सतर्कता बरतें।
- यदि आप पालतू जानवर पालने की शौकीन हैं तो अपने जानवरों को संभाल कर रखें, ताकि साथ में रहने वाले फ्लैट्स में किसी को करेशानी न हो।
- सोसायटी और अपार्टमैंट्स के बने नियमों में सहयोग दें। उन्हें तोड़े नहीं।
- अगरआपके पड़ोस वाले फ्लैट में बुजुर्ग लोग हैं या कोई अकेले रहता है तो उसका ध्यान रखें। आवश्यकता पड़ने पर सहयोग दें।
- आपके घर का शोर दुसरे की परेशानी का कारण न बने, इसका विशेष ध्यान रखें। संगीत सुनते समय व टी.वी. देखते समय आवाज धीमी रखें।
- फ्लैट्स में रहने वाले लोगों से जब भी मिलें, मुस्कुराकर मिलें।
- जब भी पड़ोसी का फोन खराब हो और अर्जैंट कॉल आ जाए तो उन्हें बुलाकर बात करवादें।
- घर आए मेहमानों को सोसायटी के नियम तोड़ने में सहयोग न दें, उन्हें अच्छी तरह से बहां के नियमों से अवगत करवा दें, ताकि आपको शर्मिंदगी न उठानी पड़े।
- विशेष मौकों पर आयोजित सांस्कृतिक प्रोग्रामों में हिस्सा लें। यदि आप हिस्सा नहीं ले रहे हैं तो प्रोग्राम में उपस्थित अवश्य रहें।
- पड़ोसी पर अपना धर्म, संस्कृति न थोपें, न ही उनके धर्म, संस्कृति की उपेक्षा करें।
- सोसायटी के वैल्फेयर हेतु आप भी अपना सहयोग दें।
- सोसायटी के मुख्य दरवाजे पर मौजूद सुरक्षाकर्मी द्वारा दी गई हिदायतों का पालन करें।

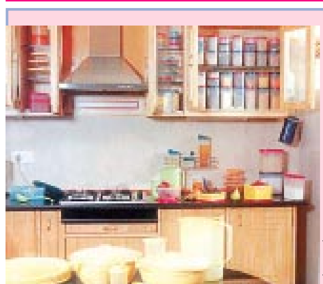

रसोई सलीकेदार

सुबह चाचीजी का फोन आ गया, मिले हुए कई दिन हो गए थे। दोपहर का भोजन भी घर पर ही था। चाचाजी के घर पहुंची तो वे बोलीं, 'सही समय पर आई है, खाना बन गया है। बर्तन रह गए है, वो बाई कर रही है।' अभी खाने में देर थी सोचा, चाय बना ली जाए। मैं चाय बनाने किचन में गई तो देखकर दंग रह गई।

चाचीजी का घर आधुनिक सुख-सुविधाओं से सुसज्जित था लेकिन बर्तन के मांजने के लिए गंदा, पुराना मोजा रखा हुआ था, जिससे बाई फटाफट थोड़ा-सा साबुन लगा-लगाकर साफ कर रही थी। चाय तो बना ली पर मोजे से की जा रही सफाई देख चाय तो क्या, खाना खाने का मन भी नहीं हुआ। अक्सर किचन में ऐसा कुछ नजारा देखने को मिल जाता है। किफायत से कौन नहीं चलना चाहता लेकिन रोजमर्रा के ज़रूरत केसामान में बेवजह की कटौती कर सफाई से समझौता न करें। कम बजट में भी किचन को सुंदर, व साफ बनाया जा सकता है -

रसोईघर में उपयोग किया जाने वाला सामान घर के स्वरूप और सलीके को दर्शाता है... इसलिएव्यवस्था से लेकर किचन की साफ-सफाई तक हर चीज में कायदा दिखना बहुत जरूरी है।

हेल्थ प्लस

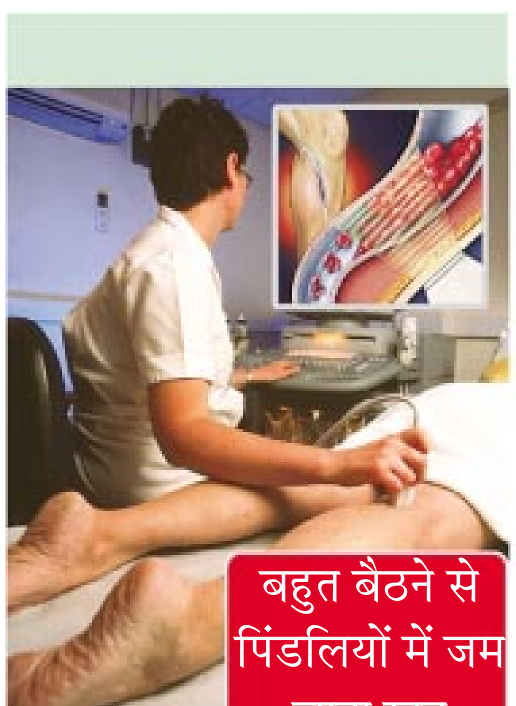

बहुत बैठने से पिंडलियों में जम जाता खून

डीप वेन थ्रॉम्बोसिस (डीवीटी) के कारण अकसर जाँघ या पिंडी की नसों/शिरा में रक्त के थक्के जम जाते हैं। रक्त के थक्कों के कारण नसों में रक्त प्रवाह अवरुद्ध होता है या फिर बिलकुल ही रुक जाता है। डीवीटी के कारण पैर में दर्द या फिर सूजन हो जाती है और फिर इससे पल्मोनरी एम्बॉलिज्म जैसी दिक्कतें पैदा हो सकती हैं। 'वीनस थ्राम्बोसिस' यानी पैर के निचले हिस्से या जाँघ की नसों या शिराओं में बनने वाला रक्त का थक्का जो लंबे समय तक बैठने खासतौर पर लंबे समय तक उड़ान में या फिर लंबी सड़क यात्रा करने के कारण होता है।

खून के इस थक्के के कारण वैसे तो खतरा कम होता है लेकिन यदि यह थक्का अपनी मूल जगह से हट जाता है और रक्त के प्रवाह के साथ मस्तिष्क, फेफडों, हृदय या फिर शरीर के किसी अन्य भाग में पहुँच कर गंभीर रूप से नुकसान पहुँचाता देते हैं तो इससे मौत तक हो सकती है। डीवीटी हर वर्ष प्रति एक लाख लोगों में से एक व्यक्ति को होता है। अस्पताल में भर्ती लोगों में से करीब 25 प्रतिशत लोगों को किसी न किसी प्रकार का डीवीटी हो सकता है, जिसका अकसर डॉक्टरों को पता नहीं लग पाता।

केवल पचास प्रतिशत लोगों में ही डीवीटी के लक्षण प्रकट होते हैं। डीप वेन थ्रॉमबोसिस के लक्षण रक्त के वापस हृदय तक लौटने में बाधा उत्पन्ना करने से जुड़े होते हैं। आमतौर पर इसके लक्षणों में पैरों में सूजन, पैरों की नसों में सूजन, पैरों में दर्द या नर्मपन जो आपको केवल तभी महसूस होती है जब आप खड़े होते हैं या चलते हैं, सूजन वाले स्थान पर गर्म महसूस होता है या फिर दर्द होता है और पैर की त्वचा लाल या फिर बदरंग सी हो जाती है।

बिना हिले-डुले लंबे समय तक बैठने से भी डीवीटी होने का खतरा होता है। कुछ ऐसी दवाएँ जो रक्त में थक्का जमने के खतरे को बढ़ाती हैं उनसे भी डीवीटी होने का खतरा होता है। लंबी यात्राएँ तथा लंबे समय तक बैठने के अलावा जिन कारणों से इसका खतरा हो सकता है उनमें लंबी हवाई यात्राएँ (इकॉनोमी क्लास सिन्ड्रोम), कार या ट्रेन में सफर, लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने, सर्जरी के कारण या फिर गर्भवती होने, मोटापे, दवाएँ खाने, (उदाहरण के तौर पर जैसे गर्भ निरोधक गोलियाँ खाना), धूम्रपान करने आदि कारणों से पैर के निचले भाग में कोई तकलीफहोना शामिल है।

डीवीटी है या नहीं इसकी पुष्टि करने के लिए तथा भविष्य में रक्त के थक्के न जमने देने के लिए आपको एक या एक से अधिक टेस्ट यानी जाँच कराने की जरूरत हो सकती है। डीवीटी का पता लगाने के लिए सबसे आम जाँच अल्ट्रासाउंड होता है जिसमें अल्ट्रा साउंड तरंगें पैर के प्रभावित स्थान की नसों और धमनियों दोनों में ही रक्त के प्रवाहित होने की तस्वीर खींच कर प्रस्तुत कर देती हैं। इसके अलावा वेनोग्राफी की मदद से भी इसका पता चल सकता है। इनसे यह भी पता चल जाता है कि क्या कहीं कोई रक्त का थक्का तो नहीं बन रहा है। डीवीटी का पता लगाने के लिए मेगनेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) तथा कम्प्यूटेड टोमोग्रेफी (सीटी) स्कैनिंग भी की जाती है।

डीवीटी से बचाव तथा इसके उपचार के लिए जो विभिन्ना दवाएँ इस्तेमाल की जाती हैं उनमें एन्टीकॉग्यूलेंट्स थ्रॉमबिन इनहिबिटर्स, थ्रॉमबोलिटिक्स, वेना केवा फिल्टर (ऐसा फिल्टर जो रक्त के थक्कों को नसों में से फेफड़ों में जाने से पहले ही पकड़ लेता है) तथा ग्रेज्यूएटिड कम्प्रेशन स्टॉकिंग्स शामिल है (जो रक्त का थक्का जमने के बाद आ सकने वाली सुजन को कम करता है)।

डीवीटी से बचने के लिए कई एहतियात बरतनी जरूरी हैं जिनमें डॉक्टर के पास जाकर नियमित जाँच कराना तथा डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाओं का नियमित सेवन प्रभावित भाग को ऊँचा रखना तथा हल्की सेक से लाभ हो सकता है। यदि उस व्यक्ति को लंबी कार या विमान यात्रा करनी ही हो तो वह एहतियात के तौर पर बीच में अवकाश ले, चले फिरे, टाँगें फैलाए और अधिक मात्रा में तरह पदार्थों का सेवन करें। यदि आप अपना ध्यान रखें तो डीवीटी से बचाव संभव है। अधिक मात्रा में तरल पदार्थों के सेवन करें और सक्रिय रहें। अपने डॉक्टर को प्रत्येक लक्षण के बारे में अवश्य बताएँ।

टाइट मोजे दे सकते हैं राहत

जो लोग नियमित यात्राओं पर जाते हैं और लंबे समय तक सफर में बैठते हैं उनके लिए जाँघ तक पहने जाने वाले टाइट मोजे फायदा पहुँचा सकते हैं। 2001 में हुए-एक अध्ययन के मुताबिक लंबी दूरी की उड़ानों के अतिथियों में से एक समूह को टाइट लंबे मोजे पहनने को दिए जबकि दूसरा समूह सामान्य जूते मोजे पहने रहा। सभी यात्रियों का जब सीटी स्कैनिंग और खून का परीक्षण किया गया तो पाया कि जिन यात्रियों को टाइट मोजे पहनने के लिए नहीं दिए गए थे उनमें से 10 प्रतिशत में डीप वैन थ्रोंबोसिस के लक्षण थे।

आमतौर पर खून का थक्का वनने से रोकने वाली दवाएँ इस तरह की समस्याओं का इलाज कर सकती हैं। आम मरीजों में खून पतला करने वाली औषधियाँ केवल एक हफ्ते तक देने से ही फायदा हो लगता है।

दीर्घावधि इलाज 3 से 6 महीने तक चलता है। इसमें वार्फारिन के साथ विटामिन के भी दिया जाता है। लो मॉलिक्यूलर वेट हेपारिन को प्राथमिकता दी जाती है। जिन मरीजों को पहले भी डीप वैन थ्रोम्बोसिस की शिकायत हो चुकी हो उन्हें खून पतला करने वाली औषधियाँ जीनव भर खाना पड़ती हैं।

जब वजन बढ़ना औरत के लिए 'गुनाह' हो जाता है!

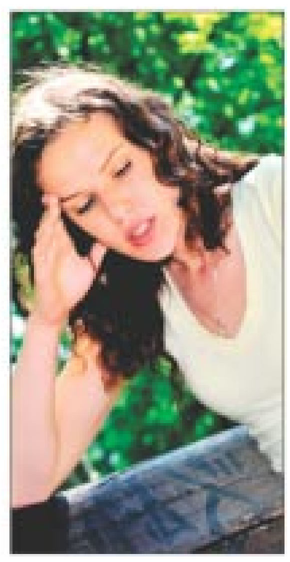

आम मान्यता रही है कि मोटे लोग आलसी और सुस्त होते हैं। वे सारा दिन बस खाते रहते हैं और अपने लिए किसी नियम का पालन नहीं करते। यह एकतरफा सोच है लेकिन इसमें भी पुरुषों के मुकाबले महिलाएँ अधिक प्रताड़ित होती हैं।

ताजा शोधों का कहना है कि महिलाओं और पुरुषों में वजन बढ़ने को लेकर भी भेदभाव किया जाता है। पुरुषों के कुछ किलो बढ़ा लेने पर भी कोई फर्क नहीं पड़ता है जबकि महिलाओं के साथ ऐसा नहीं है। 卐इंटरनेशनल जर्नल ऑफओबेसिटी卐 में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार थोड़-सा वजन बढ़ते ही महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाने लगता है। उन्हें अपने कार्यस्थल और अंतरंग रिश्तों दोनों में परेशानियाँ झेलनी पड़ती हैं।

इस तरह के वसा-भेद से बोरियत, दु:ख, गुस्सा, तनाव और बढ़ जाता है जिससे वजन कम करना और मुश्किल हो जाता है। वजन बढ़ने पर भारत में महिलाएँ तनावग्रस्त हो जाती हैं। वे कसरत करना कम कर देती हैं और पहले की तुलना में 20 प्रतिशत ज्यादा कैलोरी लेने लगती हैं। इसके विपरीत मोटापे की वजह से तनाव के शिकार पुरुषों की संख्या काफी कम होती है। चिकित्सक भी इस बात को स्वीकार करते हैं कि मोटापे से ग्रसित महिलाओं को मानसिक बीमारियाँ ज्यादा होती हैं और समाज में अपनी प्रतिष्ठा खोने की भी चिंता होने लगती है।

हाथ मिलाने का अंदाज बताता है उम्र का राज

अगली बार जब आप से कोई हाथ मिलाए तो उसके हाथ मिलाने के अंदाज पर जरूर गौर करें। खासतौर से अगर कोई उम्रदराज व्यक्ति आपसे हाथ मिलाता है तो उसने हाथ कितनी गर्मजोशी से पकड़ा है इस बात पर ध्यान देना न भूलें क्योंकि हाथ मिलाने का यही अंदाज आपको संबंधित व्यक्ति के जीवन काल के बारे में जानकारी दे सकता है।

कैनेडियन मैडीकल जर्नल में प्रकाशित शोध के मुताबिक हाथ मिलाते वक्त वृद्धों की मांसपेशियां कमजोर हो के कारण अगर वे दोरदार तरीके से हाथ नहीं मिल पाते तो उनकी उम्र रहने की संभावना रहती है। यानी हाथ मिलाने के अंदाज से मांसपेशियों की क्षमता का पता लगाया जा सकता है। जिनकी मांसपेशियां कमजोर होती हैं वे हाथ मिलाते समय दूसरे व्यक्ति के हाथ को ढंग से नहीं पकड़ पाते। ऐसे लोगों की उम्र सुदृढ़ मांसपेशी वाले लोगों के मुकाबले कम होती है।

इस अध्ययन के लिए नीदरलैंड के 555 ऐसे वृद्धों को चुना गया था जिनकी उम्र 85 वर्ष से अधिक थी। इसमें महिलाएं भी शामिल थीं। चार साल तक इन बुजुर्गों के जीवनकाल पर नजर रखी गई। इस दौरान देखा गया कि ये सभी वृद्ध फिजीकल एक्टिविटी में कितना समय देते हैं, स्वयं को चुस्त-दुरूस्त रखने के लिए इनकी रूटीन क्या है। चार साल बाद जब बुजुर्ग 89 वर्ष के हो गए तब ददोबारा डाटा कलैक्ट किया गया। इस दौरान पता लगा कि 444वृद्धों की मृत्यु हो चुकी थी। इनमें कुछेक को छोड़ दिया जाए तो अधिकांश वही लोग शामिल थे डिन्होंने हाथ बहुत ही कमजोर ढंग से मिलाया था। देश-काल के लोगों पर लागू होता है। हैंडग्रिप अच्छी न होना मांसपेशियां कमजोर होने का संकेत है। खाने-पीने में कोताही न बरतें और फिजीकल एक्टिविटी के लिए पूरा समय दें।

ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट गौरी सावंत पर आधारित सीरीज में दिखेंगी सुष्मिता?

आर्या की सफलता के बाद अभिनेत्री सुष्मिता सेन ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए कोई नया चेहरा नहीं हैं। अब वह ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट गौरी सावंत पर आधारित ओटीटी सीरीज में नजर आ सकती हैं। इसमें अभिनेत्री ट्रांसजेंडर की भूमिका में दर्शकों से रूबरू होंगी। खबरों की मानें तो इस प्रोजेक्ट का निर्देशन मराठी फिल्ममेकर रवि जाधव कर रहे हैं। अभी इस सीरीज का शीर्षक निर्धारित नहीं किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो चुका है। खबरों की मानें तो इसे स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म वूट सेलेक्ट पर रिलीज किया जाएगा। इस सीरीज में कुल छह एपिसोड होंगे, जिसमें ट्रांसजेंडर गौरी के जीवन के विभिन्न पहलुओं, उनकी यात्रा, चुनौतियों और भारत की पहली ट्रांसजेंडर मां बनने में आने वाली बाधाओं को दिखाया जाएगा। कहा जा रहा है कि सुष्मिता को गौरी का किरदार बेहद पसंद आया है।

खबरों की मानें तो सुष्मिता नवंबर के अंत में इस सीरीज की शूटिंग समाप्त कर लेंगी। कहा जा रहा है कि यह गौरी और उनकी एडॉप्ट की हुई बेटी की कहानी है, जिसके लिए उन्हें समाज से लंबी लड़ाई लडऩी पड़ी। सूत्रों की मानें तो अभिनेत्री अपने आर्या के किरदार से निकलकर कुछ बेहतर और अलग करना चाहती हैं। यकीनन उनके लिए यह किरदार अनोखा होगा।

सुष्मिता के इस सीरीज को ग्लोबल स्पोर्ट्स एंटरटेनमेंट और मीडिया सॉल्यूशंस के बैनर तले अर्जुन सिंग बारान और कार्तिक डी निशंदर प्रोड्यूस करने वाले हैं। अभी ना तो रिलीज डेट और ना ही सीरीज के अन्य कलाकारों से जुड़ी जानकारी दी गई है।

ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट गौरी अपने समुदाय के कल्याण और बेहतरी के लिए जमीनी स्तर पर काम करने के लिए जानी जाती हैं। उनका जन्म मुंबई के दादर में एक मराठा परिवार में हुआ था। माता-पिता ने उनका नाम गणेश नंदन रखा था। वह ट्रांसजेंडर्स के लिए सखी चार चौगी नाम से ट्रस्ट चलाती हैं। उनका एनजीओ ट्रांसजेंडर लोगों और एचआईवी/एआईडीएस से जूझ रहे लोगों की मदद करता है। वह केबीसी में भी नजर आ चुकी हैं।

90 के दशक में सुष्मिता के अभिनय का जादू चलता था। उनकी डेब्यू फिल्म दस्तक को भले कोई खास प्रतिक्रिया नहीं मिली, लेकिन उन्होंने अपनी हिम्मत नहीं हारी। सुष्मिता ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दी हैं। उन्हें पहली सफलता फिल्म सिर्फ तुम के गाने दिलबर दिलबर.. से मिली, जिसमें उनकी अदाओं को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। फिलहाल, आंखें, समय, मैं हूं ना, बेवफा, मैंने प्यार क्यों किया और चिंगारी सुष्मिता की सफल फिल्मों में शामिल हैं।

ऐश्वर्या राजेश स्टारर फरहाना पहुंची पोस्ट प्रोडक्शन के अंतिम चरण में

निर्देशक नेल्सन वेंकटेशन की आगामी फिल्म, फरहाना, जिसमें अभिनेत्री ऐश्वर्या राजेश मुख्य भूमिका में हैं, पोस्ट-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है। फिल्म जल्द ही रिलीज होगी। फिल्म की यूनिट से जुड़े सूत्रों का कहना है कि, शूटिंग समय पर पूरी हो गई थी और फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन का काम भी अपने अंतिम चरण में है। टीम फिल्म का पहला गाना रिलीज करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ड्रीम वॉरियर पिक्च र्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में ऐश्वर्या एक ऐसा किरदार निभाती नजर आएंगी, जो उन्होंने पहले कभी नहीं किया है।

निर्देशक सेल्वाराघवन, जीतन रमेश, किट्टी, अनुमोल और ऐश्वर्या दत्ता सहित अभिनेता भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिसका छायांकन गोकुल बेनॉय द्वारा किया गया है, जो पन्नैयारम पद्मिनियम, मॉन्स्टर और रत्चसी जैसी फिल्मों में अपने ऑश्यों के लिए जाने जाते हैं। जस्टिन प्रभाकरन, फिल्म के संगीत निर्देशक हैं जबकि राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता साबू जोसेफ इसके संपादक हैं। लोकप्रिय कवि और लेखक मानुष्यपुत्रन ने फिल्म के संवाद लिखे हैं। लेखक शंकर दास और रंजीत रवींद्रन ने पटकथा के लिए निर्देशक नेल्सन के साथ सहयोग किया है।

अमेजन प्राइम की कॉल मी बे से वेब सीरीज में डेब्यू करेंगी अनन्या पांडे?

ओटीटी प्लेटफॉर्म मनोरंजन का एक मंच बनकर उभरा है। आने वाले दिनों में कई बड़े प्रोजेक्ट्स इस प्लेटफॉर्म पर आएंगे। अब चर्चाओं का बाजार गर्म है कि अभिनेत्री अनन्या पांडे वेब सीरीज में डेब्यू करेंगी। खबरों की मानें तो वह सीरीज कॉल मी बे में नजर आएंगी। यह सीरीज स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हो सकती है। खास बात यह है इस प्रोजेक्ट का निर्माण फिल्ममेकर करण जौहर करेंगे।

रिपोर्ट की मानें तो अनन्या कॉल मी बे से वेब सीरीज में अपना डेब्यू करने की तैयारी में हैं। ऐसी चर्चा है कि धर्मा प्रोडक्शंस के डिजिटल विंग धर्मैटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले सीरीज का निर्माण किया जाएगा। वह शो में एक अरबपति फैशनिस्ट की भूमिका निभाते हुए दिखने वाली हैं। इसकी कहानी एक ऐसे कैरेक्टर के इर्द-गिर्द घूमेगी, जिसे एक घोटाले के चलते उसका अमीर परिवार अस्वीकृत कर देता है। इस प्रोजेक्ट में अनन्या के अलावा कई दिग्गज कलाकार नजर आ सकते हैं। खबरों की मानें तो इस सीरीज की कास्टिंग की प्रक्रिया चल रही है। दोस्ताना 2 का निर्देशन करने जा रहे कोलिन डीकुन्हा इस सीरीज का निर्देशन करेंगे। इशिता मोइत्रा, समीना मोटलेकर और रोहित नायर ने सीरीज की कहानी लिखी है। इस सीरीज की शूटिंग इस साल के अंत में शुरू हो सकती है। इस प्रोजेक्ट को अगले साल रिलीज किया जाएगा।

राज शांडिल्य की ड्रीम गर्ल 2 को खत्म करने के बाद अनन्या इस सीरीज के साथ जुड़ेंगी। आयुष्मान खुराना भी फिल्म का हिस्सा हैं। वह फरहान अख्तर की रोड ट्रिप पर आधारित फिल्म खो गए हम कहां में भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी, अनन्या और आदर्श गौरव की तिकड़ी नजर आएगी। हाल में वह विजय देवरकोंडा के साथ लाइगर में नजर आई थीं। इस फिल्म को दर्शकों ने नकार दिया था। अनन्या को फिल्ममेकर करण ने ही बॉलीवुड में ब्रेक दिया था। इस अभिनेत्री ने धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था। वह अब तक इस बैनर की तीन फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 के अलावा लाइगर और गहराइयां का निर्माण भी करण ने ही किया था। गहराइयां उनकी पहली फिल्म थी, जो सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आई थी।

दिग्गज अभिनेत्री सुष्मिता सेन ने वेब सीरीज आर्या के जरिए अपना डिजिटल डेब्यू किया। आर्या 2 में भी उन्होंने अपने अभिनय का तड़का लगाया। द फेम गेम के जरिए माधुरी दीक्षित ने हाल में अपना ओटीटी डेब्यू किया है। यह सीरीज 25 फरवरी को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। करिश्मा कपूर ने 2020 में मेंटलहुड के साथ अभिनय में अपनी वापसी की थी। यह ओटीटी पर उनका डेब्यू प्रोजेक्ट था।

काजोल की फिल्म सलाम वेंकी 9 दिसंबर को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल निर्देशक रेवती की फिल्म को लेकर काफी समय से चर्चा में हैं। इस फिल्म का शीर्षक सलाम वेंकी रखा गया है। पहले इसका नाम द लास्ट हुर्रे बताया जा रहा था। अब सलाम वेंकी की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। फिल्म 9 दिसंबर को सिनेमाघरों में आ रही है। बता दें कि पिछले साल अक्टूबर में इस प्रोजेक्ट की घोषणा की गई थी। काजोल ने इंस्टाग्राम पर सलाम वेंकी की रिलीज डेट की घोषणा की है। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, फिल्म सलाम वेंकी आपके नजदीकी सिनेमाघरों में 09 दिसंबर, 2022 को रिलीज होगी। प्रशंसकों ने हार्ट इमोजी के साथ अभिनेत्री के पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। ब्लाइव प्रोडक्शंस और

आरटीएकेई स्टूडियोज के बैनर तले सूरज सिंह, श्रद्धा अग्रवाल और वर्षा कुकरेजा ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है। फिल्म में राहुल बोस, आहना कुमरा और राजीव खंडेलवाल नजर आ सकते हैं। बॉक्स ऑफिस पर सलाम वेंकी का क्लैश तुषार कपूर की मारीच से होगा। 9 दिसंबर को ही तुषार के प्रोडक्शन की मारीच दस्तक देने वाली है। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता नसीरुद्दीन शाह नजर आएंगे। सलाम वेंकी से पहले 2 दिसंबर को ईशान खट्टर की फिल्म पिप्पा सिनेमाघरों में आएगी। सर्कस, गणपत और मैरी क्रिसमस 23 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होंगी। सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान 30 दिसंबर को आएगी।

सलाम वेंकी की कहानी सच्ची घटना से प्रेरित है। खबरों की मानें तो इसकी कहानी एक मां के इर्द-गिर्द घूमती है, जो जीवन की चुनौतियों का सामना करती हैं। इसमें काजोल संघर्षपूर्ण मां का किरदार निभाएंगी। इस साल फरवरी में काजोल ने इस प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू की थी। उन्होंने सेट से रेवती के साथ अपनी तस्वीर शेयर करते हुए शूटिंग शुरू करने की जानकारी दी थी। उन्होंने अपने पोस्ट में इस प्रोजेक्ट से जुडऩे की खुशी जाहिर की थी।

काजोल के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह द गुड वाइफ में दिखाई देंगी। उनकी यह सीरीज डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज होगी। काजोल ने फिल्म त्रिभंगा से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपना डेब्यू किया था। इस अभिनेत्री ने फिल्म बेखुदी से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की थी। इसके बाद वह अब्बास मस्तान की फिल्म बाजीगर में नजर आई थीं। यह फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी, जिससे काजोल को अपार शोहरत मिली।

रेवती का असली नाम आशा केलुन्नी नायर है। वह एक दक्षिण भारतीय अभिनेत्री और निर्देशक हैं, जिन्हें खासकर तमिल और मलयालम फिल्मों में अपने अभिनय के लिए पहचान मिली है।

सजना है सजना के लिए....

रवीना, शिल्पा, नताशा से नीलम कोठारी तक...

करवा चौथ सेलिब्रेट की अभिनेत्रियां

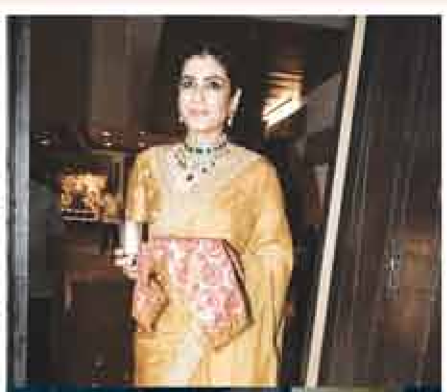

त्योहार चाहें कोई भी हो...आम लोगों के साथ-साथ सेलेब्स भी बढ़ चढ़कर हर त्योहार सेलेब्रिट करते हैं. चाहें ईद हो या दीवाली, होली हो या क्रिस्मस शायद ही ऐसा कोई त्योहार होगा जिसे सेलेब्स पूरे धूम धाम के साथ ना मनाते हों. तो ऐसे में भला करवा चौथ का त्योहार कैसे मिस हो सकता था।

बॉलीवुड स्टार्स से लेकर टीवी सेलेब्स तक में करवा चौथ को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है. कई एक्ट्रेसेज़ ने अपने पतियों के लिए व्रत रखा है, हालांकि कुछ अभिनेत्रियां ऐसी भी हैं जिन्होंने फास्ट तो नहीं रखा, लेकिन इस खास दिन पर उन्होंने पति के लिए अपना प्यार ज़रूर ज़ाहिर किया है. हर साल की तरह इस साल भी एसी कई अभिनेत्रियां हैं जो पहली बार करवा चौथ का त्योहार मना रही हैं. जैसे आलिया भट्ट, मौनी रॉय। अब इस खास दिन पर हम आपको दिखाते हैं सेलेब्स किस तरह करव चौथ का त्योहार सेलिब्रेट कर रहे हैं।

करवा चौथ पर अनिल कपूर के घर पहुंचीं अभिनेत्रियां

करवा चौथ पर बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर के घर अलग ही नज़ारा देखने को मिलता है. अनिल कपूर की पत्नी सुनीता कपूर धूमधाम से करवा चौथ का त्योहार सेलिब्रेट करती हैं. इस मौक पर इंडस्ट्री की कई और एक्ट्रेस भी अनिल कपूर के घर पहुंचकर सेलिब्रेशन का हिस्सा बनती हैं। आज भी शिल्पा शेट्टी, नीलम कोठारी, महीप कपूर समेत कई अभिनेत्रियां करवा चौथ सेलिब्रेट करने सुनीता कपूर के घर पहुंचीं।

आलिया भट्ट मना रही हैं पहला करवा चौथ

शादी के बाद आलिया भट्ट अपना पहला करवा चौथ सिलेब्रेट कर रही हैं। हालांकि आलिया भट्ट प्रेग्नेंट हैं ऐसे में उन्होंने व्रत रखा है या नहीं इस बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इस खास दिन पर नीतू कपूर ने अपनी बहू और बेटी रिद्धिमा को करवा चौथ की बधाई दी है।

पोल्का डॉट साड़ी में अंजलि अरोड़ा ने ढाया कहर

सोशल मीडिया सेंसेशन अंजलि अरोड़ा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका ड्रेसिंग सेंस और डांस मूव्स फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा देती हैं। वहीं, एक्ट्रेस अपनी लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस अक्सर अपने फैंस के साथ निजी और प्रोफेशनल पलों को साझा करती रहती हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में साड़ी पहने अपनी तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें वो बेहद ही कमाल की नजर आ रही हैं। अंजलि अरोड़ा ने ग्लैमरस अंदाज में अपना लेटेस्ट फोटोशूट करवाया है, जिसमें एक्ट्रेस बेहद ही कमाल की अदाकारा नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा ग्रीन ब्लाउज के साथ रेड कलर की पोल्का डॉट वाली साड़ी में कहर बरपा रही हैं। अंजलि अरोड़ा अपने इस आउटफिट के साथ अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं। एक्ट्रेस अंजलि अरोड़ा ने अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए ग्रीन व्हाइट ईयरिंग्स पहन रखे हैं। साथ ही अपने बालों को खुला रखा है। अंजलि अरोड़ा अपने कातिलाना अंदाज से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ाए हुए हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। वहीं, फैंस उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं। अंजलि अरोड़ा हरियाणवी सॉन्ग से लेकर पंजाबी गानों के कई म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं। एक्ट्रेस ने दिलेर खरकिया के गाने तेरे बारगी गाने में लीड रोल निभाया है। कुछ महीने पहले एक्ट्रेस अंजली अरोड़ा, बॉलीवुड की धाकड़ एक्ट्रेस कंगना रनौत के शो लॉकअप में भी नजर आई थी। यहां उनका नाम कॉमेडियन मुनव्वर फारुकी के साथ जोड़ा जाने लगा था। अंजलि के इंस्टाग्राम पर 12 मिलियन फॉलोवर्स हैं। साथ ही उनकी फैन फॉलोइंग दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है।